● वर्ष-3
● अंक-21
रायपुर, शनिवार
02 सितंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

इन दिनों

✍ आशीष तिवारी

एक देश-एक चुनाव के लिए बदलाव

केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि सरकार इस विशेष सत्र में एक देश एक चुनाव पर विधेयक ला सकती है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है। ये विचार इस पर आधारित है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा यानी आम चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव आगामी लोकसभा चुनाव से ऐन पहले होंगे। दरअसल, एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। वहीं, साथ-साथ चुनाव होने पर यह खर्च 50:50 के अनुपात में बंट जाएगा। सरकार को सौंपी अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में विधि आयोग का कहना था कि साल 1967 के बाद एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया बाधित हो गई। आयोग का कहना था कि आजादी के शुरुआती सालों में देश में एक पार्टी का राज था और क्षेत्रीय दल कमजोर थे। धीरे-धीरे अन्य दल मजबूत हुए कई राज्यों की सत्ता में आए। वहीं, संविधान की धारा 356 के प्रयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया को बाधित किया। अब देश की राजनीति में बदलाव आ चुका है। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की संख्या काफी बढ़ी है। वहीं, कई राज्यों में इनकी सरकार भी है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि 2019 में एक साथ चुनाव कराते हैं, तो तकरीबन 10 लाख पोलिंग बूथ बनाने होंगे और तकरीबन 13 लाख बैलेट यूनिट्स, 9.4 लाख कंट्रोल यूनिट्स और तकरीबन 12.3 लाख वीवीपैट मशीनों की जरूरत होगी। एक इलैक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन की कीमत 33 हजार 200 रुपए पड़ती है। चुनाव आयोग का कहना था कि साथ चुनाव होते हैं तो अकेले ईवीएम पर ही 4 हजार 555 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

बच्चे आगे बढ़ें और अपने समाज को आगे बढ़ायें : मुर्मु

राष्ट्रपति ने विशेष संरक्षित जनजातियों के विद्यार्थियों से मुलाकात की

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन राजभवन में विशेष संरक्षित जनजातियों के विद्यार्थियों और अन्य सदस्यों से मुलाकात की और उनसे संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल विशेष रूप से उपस्थित थे। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि बच्चे अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करते हुए आगे बढ़ें और अपने समाज को भी आगे बढ़ायें।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने राज्य की विशेष रूप से संरक्षित जनजातियों बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, बिरहोर और अबूझमाड़ जनजाति के सदस्यों से संवाद करते हुए कहा कि जब भी वे देश में भ्रमण करती हैं तो वहां विशेष संरक्षित जनजाति के सदस्यों से अवश्य मिलती हैं। हम जानते है कि वे शैक्षणिक, एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। समाज में जो कमजोर है उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। आज हमारा देश चंद्रमा तक पहुंच गया है। पीवीटीजी को भी आगे बढ़ना चाहिए। केंद्र और राज्य सरकार की योजना का लाभ लेकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त होकर देश की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु नें विशेष पिछड़े जनजातियों के बच्चों से संवाद किया। बच्चों ने अपने सपनों और भविष्य की योजनाओं के बारे में उनसे खुलकर बात-चीत की। नारायणपुर जिले की अबूझमुड़िया जनजाति की छात्रा कुमारी वंशिका नुरेटी जो यहां राजधानी के प्रयास विद्यालय में कक्षा नवमी में पढ़ती हैं, उसने कहा कि राज्य शासन द्वारा नीट की तैयारी के लिए अच्छी कोचिंग दी जा रही है। जिसका लाभ लेकर डॉक्टर बनना चाहती है। मुनार गांव की कुमारी माही भी रायपुर के प्रयास विद्यालय में पढ़ती है और डॉक्टर बनकर देश की सेवा करनी चाहती है। राष्ट्रपति से मिलकर वह बहुत खुश हुई और यह अवसर देने के लिए उनका आभार माना। कबीरधाम जिले के बैगा जनजाति के छात्र ओम प्रकाश मरावी भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और समाज की सेवा के साथ ही अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहते हैं। अबूझमाड क्षेत्र के कोहामेटा गांव के निवासी श्री सुखराम नुरेटी ने कहा कि प्रयास आवासीय विद्यालय में पढ़कर उन्होंने अपना कैरियर बनाया है। वर्तमान में वे बस्तर जिले में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत है। उन्होंने राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी योजनाओं का लाभ उठाकर अपना सुरक्षित भविष्य बनाया है। राज्य शासन द्वारा विशेष पिछडी जनजातियों के 1000 से अधिक शिक्षित युवाओं को शासकीय सेवाओं में नियोजित किया गया है। राज्य में पहली बार धमतरी जिले के 22 कमार जनजाति ग्राम के निवासियों को पर्यावास अधिकार प्रदान किया गया है। जिससे कमार जनजाति के संरक्षण के साथ-साथ जंगल के संरक्षण में मद मिली है। जिसके लिए कमार जनजातियों के सदस्यों ने आभार व्यक्त किया। श्रीमती मुर्मु ने सभी से मिलकर प्रसन्नता व्यक्त की और उनका उत्साह वर्धन किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में आदिमजाति विभाग के सचिव श्री डी. डी. सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विशेष संरक्षित जनजातियों के विकास के लिए संबंध में शासन द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। जनजाति के सदस्यों ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया और उन्हें बीरनमाला, खुमरी और कलगी फेंटा भेंट किया। आदिमजाति अनुसंधान द्वारा विशेष जनजातियों पर प्रकाशित पुस्तकें राष्ट्रपति सहित सभी अतिथियों को भेंट की।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री अमृत खलखों, आयुक्त आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग श्रीमती शम्मी आबिदी, उपसचिव श्री दीपक कुमार अग्रवाल, सहित जनजाति समुदायों के सदस्य अपने पारंपरिक परिधान में उपस्थित थे।

मुर्मु ने छत्तीसगढ़ के प्रवास को सुखद बताया

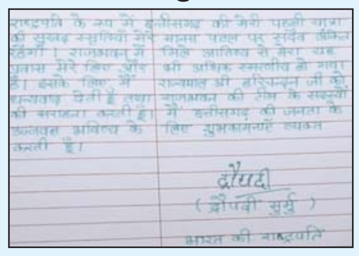

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास को सुखद बताया, राजभवन में मिले आतिथ्य को अत्यन्त सराहा और छत्तीसगढ़ की जनता को शुभकामनाएं दीं। श्रीमती मुर्मु ने आज यहां राजभवन से प्रस्थान के पूर्व यहां के विजिटर बुक में अपनी भावनाओं को शब्द दिए। विजिटर बुक में उनके द्वारा लिखित पाठ इस प्रकार है-

''छत्तीसगढ़ की मेरी पहली यात्रा की सुखद स्मृतियां मेरे मानस पटल पर सदैव अंकित रहेंगी । राजभवन में मिले आतिथ्य से मेरा यह प्रवास मेरे लिए और भी अधिक स्मरणीय हो गया है। इसके लिए मैं राज्यपाल श्री हरिचंदन जी को धन्यवाद देती हूं तथा राजभवन की टीम के सदस्यों की सराहना करती हूं। मैं छत्तीसगढ़ की जनता के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करती हूं।''

कांग्रेस मुक्त भारत संभव नहीं: राहुल गांधी

मुंबई। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कांग्रेस मुक्त भारत का सपना कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अंग्रेज भी अपने सुनहरे दिनों में भी पार्टी को खत्म करने में नाकाम रहे थे। गांधी ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी कर्नाटक में कुछ महीने पहले मिली जीत को तेलंगाना, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी दोहराएगी।

मुंबई के तिलक भवन में महाराष्ट्र कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा देश के सबसे पुराने राजनीतिक संगठन से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा, मीडिया में लोगों ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में ताकत नहीं है, लेकिन कर्नाटक में भाजपा को किसने हराया? राहुल गांधी ने इस साल मई में दक्षिणी राज्य में हुए विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की शानदार जीत का जिक्र करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, कर्नाटक में जो कुछ भी हुआ वह तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में होगा। इंडिया गठबंधन राष्ट्रीय चुनावों में भाजपा को हराने जा रहा है और कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतेगी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र में विभाजित नहीं हुई क्योंकि यह विचारधारा पर आधारित है। कांग्रेस की सहयोगी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायकों के एक वर्ग के भाजपा से हाथ मिलाने के बाद पिछले एक साल में राज्य में उनके खेमे में विभाजन देखने को मिला है। महाराष्ट्र में भाजपा का सफाया हो जाएगा, जहां से 48 सांसद लोकसभा में दूसरे नंबर पर आते हैं। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य ने महाराष्ट्र को कांग्रेस पार्टी का केंद्र करार दिया क्योंकि इसका जन्म 1885 में मुंबई में हुआ था। राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंसके दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए मुंबई में थे। वायनाड के सांसद ने कहा कि मोदी ने कांग्रेस मुक्त भारत का आह्वान किया था, लेकिन तब की महाशक्ति ब्रिटेन भी देश से पार्टी का सफाया नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि इसके बजाय आजादी की लड़ाई का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस ने उन्हें देश से भगा दिया।

गृहमंत्री अमित शाह का दौरा कार्यक्रम

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 2 सितंबर को सुबह 10.30 बजे कुशाभाऊ ठाकरे परिसर बोरिया कला रायपुर से प्रस्थान कर पूर्वान्ह 11 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम पहुँच कर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता की ओर से आरोप पत्र जारी करेंगे। श्री शाह दोपहर 2.10 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से हेलीकॉप्टर से खैरमल अर्जुंदा सरायपाली रवाना होंगे। श्री शाह अपरान्ह 3.15 बजे से संध्या 4.30 बजे तक खैरमाल अर्जुन्दा सरायपाली में जनजातियों द्वारा अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा सभा को संबोधित करेंगे। वह संध्या 4.30 बजे सभा स्थल से सड़क मार्ग द्वारा हेलीपैड के लिए रवाना होंगे। यहां से संध्या 5.30 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर पहुंचेंगे तथा संध्या 6 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

बिलासपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी रतनपुर स्थित आदिशक्ति माँ महामाया देवी मंदिर पहुँचीं। यहाँ उन्होंने विधिवत पूजा- अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और प्रगति की कामना की। पहली बार रतनपुर स्थित महामाया देवी के मंदिर में राष्ट्रपति प्रवास हुआ है इस अवसर पर माँ महामाया देवी का राजसी श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं केंद्रीय जनजाति विकास राज्यमंत्री रेणुका सिंह भी मौजूद रहीं।

प्रमुख समाचार

विपक्ष की बैठक में कोई विजन नहीं, केवल राजनीति लेन-देन

मुंबई। 28 विपक्षी दलों की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा गया। अब इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि इनकी बैठक में देश के लिए कोई विजन नहीं दिखा। विपक्षी दलों के पास कोई विजन नहीं है। इसके साथ ही रविशंकर प्रसाद ने यह भी कहा कि आतंकवाद को लेकर इनका संकल्प क्या है? भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि इनकी राजनीति ही लेनदेन पर आधारित है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मुंबई सहित इनकी तीन बैठकें हो चुकी हैं। इस पूरे बैठक में भारत के लिए इनका कोई विजन दिखाई दिया? क्या गरीबों के कल्याण के लिए कोई प्रमाणिक विकल्प सामने आया? क्या देश के महिलाओं-बच्चों के लिए कोई ठोस बात कही गई? क्या देश के औद्योगिक और ढांचागत विकास के लिए कोई रूपरेखा प्रस्तुत की गई? विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि इनकी पूरी कोशिश सिर्फ एक है।

लोकतंत्र में नए मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिए : प्रह्लाद जोशी

नईदिल्ली। एक सितंबर एक राष्ट्र एक चुनाव की संभावना तलाशने के लिए एक समिति के गठन के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि विकसित होते लोकतंत्र के साथ आने वाले नए मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिए। जोशी ने कहा कि समिति एक रिपोर्ट लेकर आएगी और इस पर सार्वजनिक डोमेन और संसद में चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि समुद्र मंथन में निकले अमृत की तरह इस मुद्दे पर भी मंथन में अमृत ही निकलेगा। उन्होंने यह भी सवाल किया कि विपक्षी दल इस पर चिंतित क्यों हैं। इसमें इतना चिंतित होने की क्या आवश्यकता है।'' जोशी ने जयपुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसे लोकतंत्र की जननी कहा जाता है और विकसित होते लोकतंत्र में जो नये विषय आते हैं, उन पर चर्चा होनी चाहिए। हमने यह नहीं कहा है कि कल से ही कुछ होगा।'' उन्होंने कहा कि पहले लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते थे, जिससे देश में विकास का अच्छा माहौल था। मंत्री ने कहा कि जब केंद्र में कोई सरकार बनती है तो अलग-अलग जगहों पर चुनाव होते हैं।

लोकसभा जहां तक संभव होगा मिलकर लड़ेंगे : येचुरी

मुंबई। मुंबई में आज विपक्षी गठबंधन इंडिया की बड़ी बैठक हुई। इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति (कॉर्डिनेशन कमेटी), कैंपेन कमेटी, वर्किंग ग्रुप ऑफ सोशल मीडिया और वर्किंग ग्रुप ऑफ रिसर्च कमेटी का गठन हुआ है जिसमें सभी पार्टियों के सदस्य हैं। इसके साथ ही सभी दलों ने एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कही है। हालांकि, बड़ा सवाल यही है कि केरल, बंगाल, पंजाब जैसे राज्यों में यह गठबंधन कैसे आगे बढ़ेगा। केरल में वामदल और कांग्रेस हमेशा आमने-सामने रहे हैं। यही कारण है कि सीपीआई(एम) महासचिव सीताराम येचुरी से सवाल पूछा गया। सीताराम येचुरी ने इस सवाल के जवाब में कहा कि जहां भी समायोजन संभव नहीं होगा, वहां संयुक्त अभियान नहीं चलाया जायेगा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस पार्टी केरल में चुनाव लड़ना छोड़ देगी और सब कुछ सीपीआई (एम) को सौंप देगी? यह संभव नहीं है। हम ठोस स्थिति के आधार पर आगे बढ़ेंगे। हमारा मानना है कि अधिकतर सीटों पर सहमति बनेगी।

अकालियों ने अपना विकल्प खुला रखा है

नईदिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की लड़ाई की रूपरेखा तैयार हो रही है, भाजपा की पूर्व सहयोगी शिरोमणि अकाली दल फिलहाल खुद को न तो सत्तारूढ़ दल के खेमे में पाते है और न ही 28 विपक्षी दलों के भारतीय गुट में। एक समय पंजाब की सत्ताधारी पार्टी रही है। अकाली दल के पूर्व सांसद नरेश गुजराल, प्रेम सिंह चंदूमाजरा और बलविंदर सिंह भुंडर ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि अकाली दल भारत गठबंधन में शामिल हो सकता है, लेकिन शर्तों के साथ। उनका बयान तब आया जब पार्टी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर अपने हमले जारी रखे। अकाली दल ने 2022 के विधानसभा चुनावों में सिर्फ तीन सीटें जीतीं, जो उसकी अब तक की सबसे कम सीटें हैं, जो पांच साल पहले की 15 सीटों से कम है। पिछले दो संसदीय चुनावों की तुलना में लोकसभा चुनावों में भी उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसने 2014 में 26.3 प्रतिशत वोट शेयर के साथ पंजाब के 13 विधानसभा क्षेत्रों में से चार में जीत हासिल की, जबकि 2019 में वोट शेयर में 27.45व की मामूली वृद्धि के बावजूद इसकी संख्या घटकर दो रह गई।

2 हजार रुपये के 93 फीसदी नोट बैंक में आ गए वापस

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि 31 अगस्त, 2023 तक वापस आए 2,000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.32 लाख करोड़ रुपये था। आरबीआई ने कहा कि से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 31 अगस्त, 2023 तक प्रचलन से वापस प्राप्त 2,000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.32 लाख करोड़ रुपये है। इसके साथ, प्रचलन में 2,000 रुपये के नोटों का कुल मूल्य अब 0.24 लाख करोड़ रुपये है। आरबीआई ने कहा कि परिणामस्वरूप, 31 अगस्त, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर प्रचलन में 2,000 रुपये के बैंक नोट 0.24 लाख करोड़ रुपये थे। इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक प्रचलन में 2,000 रुपये के 93 प्रतिशत बैंक नोट वापस आ गए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि प्रमुख बैंकों से जुटाई गई जानकारी से पता चलता है कि प्रचलन से लौटे कुल 2,000 रुपये के बैंक नोटों में से लगभग 87 प्रतिशत जमा के रूप में हैं, शेष 13 प्रतिशत अन्य मूल्यवर्ग के बैंक नोटों के लिए बदले गए हैं। आरबीआई ने कहा, जनता के सदस्यों से अनुरोध है कि वे 30 सितंबर, 2023 तक की शेष अवधि का उपयोग अपने पास मौजूद 2,000 रुपये के बैंक नोटों को जमा करने और/या बदलने के लिए करें।

मास्टर स्ट्रोक की तैयारी में मोदी सरकार, क्या फेल हो जाएगी विपक्ष की रणनीति

केंद्र की मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र 18 सितंबर से 22 सितंबर के बीच बुलाया है। इस बात की जानकारी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दी। 17वीं लोकसभा का यह 13वां सत्र होगा जबकि राज्यसभा का 261वां सत्र होगा। सबसे खास बात यह है कि यह सत्र राष्ट्रीय राजधानी में जी20 शिखर बैठक के कुछ दिनों के बाद आयोजित होने जा रहा है। विशेष सत्र को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। विपक्ष जबरदस्त तरीके से केंद्र की सरकार पर निशाना साधा रहा है।

अगर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के पोस्ट को देखें तो उन्होंने जो तस्वीर साझा की है। उससे एक इशारा अवश्य मिल रहा है। इस तस्वीर में संसद भवन की नई और पुरानी इमारतें दिखाई दे रही है। इससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि संसद का विशेष सत्र नई बिल्डिंग में हो सकता है। मई में ही संसद के नई बिल्डिंग का उद्घाटन हुआ था। हालांकि, मानसून सत्र उसमें नहीं हो सका। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि शुभ मुहूर्त देखकर ही यह विशेष सत्र बुलाया गया होगा। यह वह वक्त होगा जब पूरे देश में गणेश चतुर्दशी का वक्त रहेगा।

एक देश एक चुनाव पर चर्चा

जैसे ही विशेष संसद सत्र बुलाने की बात हुई, उसके साथ ही एक देश, एक चुनाव के चर्चा तेज हो गई। दावा किया जा रहा है कि संसद के विशेष सत्र में एक देश, एक चुनाव पर सरकार बिल ला सकते हैं। कई बार प्रधानमंत्री ने इसकी वकालत की है। आज

इसको लेकर एक पैनल भी बना दिया गया। इस पैनल का नेतृत्व देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे। इसके अलावा इस संसद सत्र में माना जा रहा है कि आने वाले समय को देखते हुए सरकार कुछ और बिल पेश कर सकती है। इसमें यूसीसी और महिला आरक्षण बिल भी शामिल है।

तेज हुई राजनीतिक हलचल

विशेष संसद सत्र को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जब मणिपुर जल रहा था, कोरोना चरम पर था, नोटबंदी से लोग परेशान थे, तब सरकार की ओर से स्पेशल सत्र नहीं बुलाया गया। लेकिन अब बिना किसी के चर्चा के स्पेशल सत्र बुला लिया गया। सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि संसदीय व्यवस्था की सारी मान्यताओं को यह सरकार तोड़ रही है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) संजय राउत ने कहा कि मुझे लगता है कि ये एक चुनाव आगे करने के लिए एक साजिश है, ये लोग चुनाव नहीं कराना चाहते...ये लोग इंडिया से डर गए हैं, इनके मन में डर है इसलिए, नया-नया फंडा लेकर आते हैं। टीएमसी सांसद बिनॉय विश्वम ने कहा, ...संसद का सत्र चर्चा के लिए होना चाहिए, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं। ये पांच दिन का बिजनेस नाकाफी है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, केंद्र सरकार किसी से राय-मशवरा नहीं लेती, किसी राजनीतिक दल से बात नहीं करती...केंद्र सरकार इस तरह लोकतंत्र का गला घोंट रही है। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जिस तरह से प्रह्लाद जोशी ने चोरी-चोरी, चुपके-चुपके यह निर्णय लेकर ट्वीट किया है- मेरा सवाल है कि देश का एक बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार गणेश चतुर्थी ...तो हम जानना चाहते हैं कि यह हिंदू विरोधी काम क्यों हो रहा है? यह फैसला किस आधार पर लिया गया है?...क्या यही उनकी हिन्दुत्ववादी मानसिकता है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा किसंसद के विशेष सत्र को लेकर हमें कोई जानकारी नहीं मिली। हमें ट्वीट के माध्यम से सत्र के बारे में पता चला, हमें किसी भी तरह का नोटिस, पत्र या फोन करके इसकी जानकारी नहीं दी गई।

सरकार का पक्ष

सदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि अभी तो समिति बनी है, इतना घबराने की बात क्या है? समिति की रिपोर्ट आएगी, फिर पब्लिक डोमेन में चर्चा होगी। संसद में चर्चा होगी। घबराने की बात क्या है?...बस समिति बनाई गई है, इसका अर्थ यह नहीं है कि यह कल से ही हो जाएगा।

सीएम की घोषणा पर नहीं हुआ अमल, कागजों में उलझकर बंद हो गई कागज कारखाने की फाइल

बीजापुर। चार साल पूर्व चौपाल चर्चा में बीजापुर जिले के भोपालपटनम पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हाईस्कूल मैदान में आयोजित सभा में बांस का कागज कारखाना खोलने की घोषणा की थी। सीएम की घोषणा के बाद इसकी तैयारियां जोरो पर चल रही थी। लेकिन अब इसका जिक्र कोई नहीं करता है। चौपाल कार्यक्रम में सीएम ने लगभग सौ करोड़ की लागत से कागज कारखाना बनाने की घोषणा की थी।

देखा जाए तो कागज का कारखाना खोलने की मांग पिछले चार दशक से ज्यादा समय से की जा रही है। महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमा से सटा भोपालपटनम बस्तर के पश्चिमी छोर पर बसा कस्बा है। यह इलाका बेहद पिछड़ा हुआ है। मध्यप्रदेश के जमाने में इस इलाके के कुचनूर व पेगड़ापल्ली की खदानों से कोरंडम का खनन होता था, पर बाद में वन कानूनों की वजह से वह परियोजना बंद हो गई। इसका यह भी कारण नक्सली समस्या है।

जानकारी के मुताबिक, सीएम के कागज कारखाना खोले जाने की घोषणा के बाद जिले व राज्य के बड़े अफसरों का आना जाना लगा हुआ था। उद्योग विभाग के अफसरों ने गोल्लागुड़ा गांव के पास मर्रीगुड़ा जंगल में लगभग 100 एकड़ भूमि का चयन भी कर लिया था। जिला उद्योग विभाग से मिली जानकारी के अनुसार संसाधनों की कमी के कारण कागज कारखाने की प्रक्रिया थम गई है और राज्य से कहा गया है कि वह जगह फैक्ट्री को खोलने योग्य नहीं है। ऐसी जानकारी मिली है। जब प्रक्रिया चल रही थी तब अफसरों की हलचल जोरो पर थी। यह सब देखकर ग्रामीणों में खुशी की लहर थी।

कारखाना खुलने से आवागमन रोजगार से लेकर बहुत सी सुविधाएं मिलेंगी। मगर अब यह सपना बनकर रह गया।

बंद पड़े हुए हैं बांस के 29 कूप

विभागीय जानकारी के मुताबिक, जिले में कुल बांस के 29 कूप हैं। जिसमे भोपालपटनम के छह कूपों में ही उत्पादन हो रहा था। मगर वह भी दो साल से बंद हैं। कागज कारखाना खोलने के लिए कच्चे माल की जिले में कमी है। इधर, चर्चाओं में यह बात हो रही है कि अगर कच्चे माल की कमी है तो दूसरे जिलों से बास को लाकर कारखाना संचालित किया जा सकता है।

क्या कहते हैं अफसर

जिला उघोग अधिकारी एसए बिलुंग का कहना है कि संसाधनों की कमी के कारण यह प्रोजेक्ट डिले हो गया है। कच्चा माल का उत्पादन कम है। बाकी प्रक्रिया राज्य लेबल की है। क्यों कि यह बड़ा प्रोजेक्ट है।

गजराज ने किसानों के घरों और फसलों को किया तबाह, रेस्ट हाउस में ली शरण

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। जिले के मनेंद्रगढ़ वन मंडल में हाथियों का आतंक जारी है। शिवगढ़ में उत्पात मचाने के बाद गुरुवार को 11 हाथियों का दल अमृतधारा पर्यटन स्थल पहुंचा है। हाथियों के दल ने ग्रामीणों की फसलों और घरों को तबाह कर दिया है। मौके पर पहुंच वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को घरों से सुरक्षित निकाला और उन्हें रेस्ट हाउस में लाकर ठहराया है।

हाथियों ने जमकर मचाया उत्पात

बिहारपुर वन परिक्षेत्र में अमृतधारा पर्यटन स्थल के पास शिवगढ़ गांव में हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया है। शिवगढ़ में भी दो मकानों को हाथियों ने तोड़ दिया। जिससे घर में सो रहे लोगों में हड़कंप मच गया। उन्होंने किसी तरह से भाग कर अपनी जान बचाई। हाथियों ने किसान के घर रखे अनाज चट कर दिये। ग्रामीणों के बाड़ी में लगे मक्के और धान की फसल को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया। हाथियों ने फसल को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। जिसके बाद बायो डायवर्सिटी पार्क अमृतधारा में 11 हाथियों का दल पहुंचा हुआ है। इस 11 हाथियों का दल मे दो नन्हे हाथी के बच्चे भी हैं।

बायो डायवर्सिटी पार्क अमृतधारा में मौजूद हाथियों की गतिविधियों पर वन अमला लगातार नजर बनाए हुए है। मनेन्द्रगढ़ और बिहारपुर के सभी स्टाफ एवं उड़नदस्ता दल मौके पर मौजूद हैं। वन विभाग की ओर से आसपास के ग्रामीणों को अलर्ट किया गया है। इसके साथ ही शिवपुर गांव के ग्रामीणों को वन विभाग की टीम ने सुरक्षित रेस्ट हाउस में लाकर ठहराया है।

गांववाले दहशत में जीने को मजबूर

जिले में आये दिन हाथी रिहायसी इलाकों में घुस जाते हैं। यहां बार-बार हाथियों के आने से ग्रामीणों में भी दहशत और भय का माहौल बना रहता है। ग्रामीण हाथियों के दहशत में जीने को मजबूर हैं। हालांकि वन विभाग लोगों को हाथियों के बारे में जानकारी देते रहता है। साथ ही ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की सलाह भी गई है।

सड़क का सवाल करना युवक को पड़ा भारी आपा खोए कांग्रेस नेता ने जड़ दिए थप्पड़

बीजापुर। गांव की एक सड़क नहीं बनने को लेकर कांग्रेस नेता से सवाल करना एक युवक को भारी पड़ गया। गांव के ही सरपंच और भोपालपट्टनम के ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रमेश पांभोई ने युवक को सरेआम एक नहीं बल्कि तीन से चार थप्पड़ जड़ दिए। इतना ही नही कांग्रेस नेता ने युवक के साथ जमकर गाली गलौज भी की।

भोपालपट्टनम ब्लॉक के गोल्लागुड़ा में घटित घटना का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जिसके बाद राजनीति भी जमकर हो रही है। भाजपा के स्थानीय आईटी सेल पदाधिकारियों ने वायरल वीडियो को फेसबुक अकाउंट पर साझा करते कांग्रेस की गुंडागर्दी करार दिया है, तो वहीं पीड़ित युवक को न्याय दिलाने समाज भी उठ खड़ा हुआ है।

करीब दो माह पहले भी इस तरह एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें कांग्रेस के एक नेता मुफ्त में खाद ना मिलने पर लेम्प्स प्रबंधक को खुलेआम गाली-गलौच और धमकी देते नजर आए थे। दरअसल भोपालपट्टनम के गोल्लागुड़ा का वीडियो दो दिन पुराना बताया जा रहा है। वीडियो में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष रमेश पांभोई जो गांव के सरपंच भी हैं, नागेश लम्बाड़ी नाम के युवक से पहले तो उनकी बहस होती है। थोड़ी देर बाद वे हाथापाई पर उतर आते हैं। पीड़ित पक्ष का कहना है कि 15 साल से सरपंच रमेश से गली सड़क नहीं बनने पर ग्रामीण गुस्साए हैं। इसी मसले को लेकर जब सवाल किया गया तो रामेश आपा खो बैठे और गाली- गलौज करते हुए हाथापाई पर उतर आए। वहीं हाथापाई को स्वीकारते पामभोई का कहना है कि युवक ने उसे ऐसा करने उकसाया था। गाली की शुरुआत उसने की, जिससे उन्हें गुस्सा आया और वे खुद को रोक नहीं पाए।

इधर दो दिन बीतने के बाद घटना की शिकायत थाने तक भले ना पहुंची हो, लेकिन वायरल वीडियो से मरार समाज में रोष है। मरार समाज के अध्यक्ष अप्पाराव लम्बाड़ी ने घटना को गम्भीर बताते हुए समाज की तरफ से ठोस कदम उठाए जाने की बात कही है। वहीं, स्थानीय लोगों की माने तो सरपंच की हरकतों से गांव के लोग परेशान हैं।

सत्ता दल से ताल्लुक होने से उनकी एक नहीं सुनते। पद और रसूख का धौंस दिखाते हैं। नतीजतन गांव की मूलभूत जरूरतें जस की तस बनी हुई है। वहीं, चुनावी माहौल में भाजपा द्वारा इसे सोशल मीडिया पर मुद्दा बनाये जाने के बाद कांग्रेस ने इसे गम्भीरता से लिया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर ने मीडिया से कहा कि वीडियो की सत्यता की जांच कराई जा रही है। जिसकी रिपोर्ट आगे प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजी जाएगी। प्रदेश संगठन से जो निर्देश मिलेंगे, आगे कार्रवाई की जाएगी।

मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने ग्रामीण को उतारा मौत के घाट

जगदलपुर। सुकमा जिले के ग्राम मिनपा में नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी होने के शक में एक ग्रामीण की हत्या कर शव को सड़क पर फेंक दिया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले की जानकारी देते हुए सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि थाना चिंतागुफा क्षेत्रांतर्गत मिनपा समीप नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोप लगाते हुए सिलगेर निवासी ग्रामीण कोरसा कोसा की हत्या कर दी। कोरसा कोसा लंबे समय से आंध्र प्रदेश में रोजगार के लिए रह रहा था। वहीं, कोरसा कोसा का विवाह पालागुड़ा (बीजापुर) में हुआ था, जहां वह अपनी पत्नी और परिजनों से मिलने कुछ दिन पूर्व गया था।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक को कुछ दिन पूर्व ही नक्सली पालागुड़ा से ही अपहरण कर अपने साथ ले गए थे। अपहरण के बाद मिनपा समीप किसी अज्ञात स्थान पर नक्सलियों द्वारा धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी गई। जिसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस के अनुसार कोरसा कोसा या उसके किसी भी परिजन का पुलिस से कोई भी संबंध नहीं था। सूचना पर थाना चिंतागुफा से पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा और शव को कब्जे में लिया। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है।

वोटर्स को तारीख बढ़ने से मिली राहत, अब 11 सितंबर तक जुड़वा सकेंगे मतदाता सूची में नाम

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 की तैयारी के समीक्षा के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुनरीक्षण तिथि आगे बढ़ाने की घोषणा की गई थी। इसी के परिपेक्ष में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ द्वारा फोटो युक्त निर्वाचक नामावली का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 की अर्हता तारीख में वृद्धि करते हुए 11 सितंबर 2023 अंतिम तारीख निर्धारित की गई है।

कबीरधाम कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जन्मेजय महोबे ने बताया कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने संशोधन करने के लिए पूर्व में निर्धारित तारीख 31 अगस्त थी, जिसे आगे बढ़ाकर 11 सितंबर किया गया है। अब सभी मतदान केन्द्र में कल 2 सितंबर शनिवार और 3 सितंबर रविवार को पूर्व की भांति विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इसमें बूथ लेवल अधिकारी कार्यालयीन निर्धारित समय अवधि में आवश्यक फॉर्म के साथ उपस्थित होकर मतदाता सूची के शुद्धिकरण का कार्य करेंगे। 11 सितंबर तक प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण 28 सितंबर 2023 तक किया जाएगा। इसके बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पूर्व की भांति 4 अक्टूबर 2023 को किया जाएगा।

कबीरधाम जिले में मादक पदार्थों के अवैध भंडारण, परिवहन और विक्रय पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन मिशन मोड पर है। जिले के भीतर मादक पदार्थों के अवैध भंडारण, विक्रय और परिवहन के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग की सीमा से प्रवेश कर अन्य राज्यों के लिए जाने वाली सभी छोटी-बड़ी परिवहनों पर भी कड़ी मॉनिटरिंग और चौकसी बरती जाएगी।

इसके अलावा जुआ सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर जन्मेजय महोबे और एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की साझा बैठक लेकर राष्ट्रीयराज मार्ग से छत्तीसगढ़ प्रवेश करने वाले सभी वाहन की जांच करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से लगे मध्य प्रदेश के तीन प्रमुख जिले डिडौरी, बालाघाट और मंडला से आने वाली अन्य अंदरूनी मार्गो पर सतत निगरानी के निर्देश दिए। बता दे कि मध्यप्रदेश के इन तीनों जिलों के कलेक्टर, एसपी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की निर्वाचन गतिविधियों की तैयारियों के संबंध में समन्वय बैठक भी हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

माँ महामाया के दर्शन के लिए रतनपुर पहुंची राष्ट्रपति

बिलासपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी रतनपुर स्थित आदिशक्ति माँ महामाया देवी मंदिर पहुँची। यहाँ उन्होंने विधिवत पूजा- अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और प्रगति की कामना की। पहली बार रतनपुर स्थित महामाया देवी के मंदिर में राष्ट्रपति प्रवास हुआ है। इस अवसर पर माँ महामाया देवी का राजसी श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं केंद्रीय जनजाति विकास राज्यमंत्री रेणुका सिंह भी मौजूद रहीं। उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी रतनपुर का गौरवशाली इतिहास रहा है। कलचुरी वंश के शासक रत्नदेव प्रथम ने रतनपुर को अपनी राजधानी बनाया और यहाँ आदिशक्ति माँ महामाया देवी मंदिर का निर्माण कराया। यह मंदिर 11वीं शताब्दी में बनवाया गया था। माँ महामाया रतनपुर शाखा के कलचुरी वंश के राजाओं की कुलदेवी थी।

सारनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा स्टेशन में ठहराव का विस्तार

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले दो रेलवे स्टेशनों में दो गाडियो का ठहराव की सुविधा 1 सितम्बर तक प्रदान की गयी थी, जिसका विस्तार 5 मार्च तक किया गया है। गाड़ी संख्या 15160/15159 दुर्ग-छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का 2 मिनट का प्रायोगिक ठहराव जबलपुर मंडल के उंचेहरा स्टेशन में तथा गाड़ी संख्या 19343 /19344 इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का 2 मिनट का प्रायोगिक ठहराव भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन में दिया गया था। 28 फरवरी तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15160 दुर्ग-छपरा सरनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी गयी है तथा 28 फरवरी, को छपरा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15159 छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी गयी है। 5 मार्च को इंदौर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 19343 इंदौर-सिवनी एक्सप्रेस का संत हिरदाराम नगर में ठहराव की सुविधा दी गयी है ।

समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए नॉमिनी आवश्यक

कांकेर। समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए विक्रेता किसान का नॉमिनी होना भी आवश्यक है। इस संबंध में कृषि विभाग के मैदानी अमलों के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें जिला खाद्य अधिकारी जे.जे.नायक ने बताया कि धान विपणन वर्ष 2023-24 में बिना नॉमिनी पंजीयन के किसान धान नहीं बेच पायेंगे। पूर्व में पंजीकृत सभी किसानों को धान उपार्जन के लिए नॉमिनी नामांकन कर कैरी फारवर्ड करवाना अनिवार्य होगा। धान उपार्जन के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अपनाया जायेगा, जिसके लिए पंजीयन में नॉमिनी अनिवार्य है। सभी किसान अपना पंजीयन फार्म तैयार कर आवश्यक दस्तावेज आवेदनकर्ता कृषक एवं किसान द्वारा नामित व्यक्ति का आधार कार्ड सहित सहकारी समिति में जमा कर सकते हैं। अगर किसान द्वारा आधार आधारित पंजीयन नहीं करवाया जाता है तो वह किसान इस वर्ष धान खरीदी के लिए पात्र नहीं माना जायेगा।

रक्षाबंधन मनाकर लौट रहा था परिवार, टैंकर की टक्कर से मौत

अंबिकापुर। उदयपुर थानाक्षेत्र के ग्राम घाटबर्रा में अदानी माइंस के टैंकर ने रक्षाबंधन मनाकर लौट रहे बाइक सवार परिवार को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक चालक युवक और उसके 9 माह के बेटे की मौत हो गई। वहीं पत्नी की हालत गंभीर है। घायल महिला को मेडिकल कालेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, उदयपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत घाटबर्रा निवासी ठाकुर प्रताप सिंह (39) अपनी पत्नी भुवनेश्वरी सिंह (36) और अपने 9 माह के बेटे सत्यम को लेकर 31 अगस्त गुरुवार की सुबह 10 बजे मोटरसाइकिल से ससुराल ग्राम खरसुरा रक्षाबंधन मनाने गए थे। भुवनेश्वरी ने मायके में भाइयों को राखी बांधी और वे शाम को वापस घर लौटने के लिए बाइक से रवाना हुए। शाम करीब 7.30 बजे साल्ही मोड़ के पास अदानी माइंस की ओर से आ रहे पानी टैंकर क्रमांक सीजी 4 एलडब्लू 2490 ने तेज रफ्तार में उनकी बाइक को सीधे टक्कर मार दी। टैंकर की टक्कर से बाइक सवार, उसकी पत्नी भुवनेश्वरी एवं बालक सत्यम सड़क पर जा गिरे।

नरेंद्र मोदी ने बढ़ाया महिलाओं का मान : प्रेमलता नागवंशी

नगरी। भाजपा जिला मंत्री व पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता नागवंशी ने आज प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया की घरेलू गैस के दाम कम करके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने महिलाओं का मान बढ़ाया। उन्होंने बताया की रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर श्री नरेंद्र मोदी जी ने सभी महिला बहनों को राखी का उपहार दे दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घरेलू एलपीजी पर 200? की कटौती की है वहीं 75 लाख नए उज्ज्वला कनेक्शन देने एलान भी किया है। रक्षाबंधन का यह उपहार महिलाओं के लिए खुशी लाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी लगातार महिला उत्थान के लिए कार्यरथ हैं। प्रेमलता नागवंशी जी ने इस उपहार के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभार जताया तथा प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना जैसे योजनाओं को सराहा और धन्यवाद ज्ञापित किया।

विधायक ने निगम नेता प्रतिपक्ष के साथ किया विभिन्न वार्डों का निरीक्षण

- **स्वच्छ सुंदर शहर बनाना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व : रंजना साहू**
- **अधिकारियों को साफसफाई सहित बुनियादी सुविधाओं के लिए किए तलब**

धमतरी। धमतरी नगर निगम के अंतर्गत विधायक रंजना डीपेंद्र साहू, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र रोहरा, पार्षद विजय मोटवानी, पार्षद श्यामलाल नेताम ने शहर के विभिन्न वार्ड जिसमें सुंदरगंज वार्ड, सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड, बठेना वार्ड के साथ साथ बस स्टैंड का निरीक्षण किए एवं बस स्टैंड में संचालित शौचालय एवं बठेना वार्ड में संचालित शौचालय का जायजा लिया गया, शहर भ्रमण के दौरान स्वच्छता एवं उचित सुविधाओं के संबंध में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया, विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि स्वच्छ सुंदर शहर बनाना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व होता है, इसके लिए व्यवस्था पूर्ण होनी चाहिए, निरंतर वार्ड वासियों के द्वारा नाली सफाई, रोड डिवाइडर किनारे जमें धूल की परत की सफाई, रात्रि समय में लाइट बंद होने की समस्या होने की बातें सामने आ रही थी जिसको अतिशीघ्र सुव्यवस्थित करते हुए शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में की ओर ध्यान देने की बात कही। धमतरी शहर के अंतर्गत धूल की बड़ी समस्या उभर कर सामने आई है, जिससे आवागमन करने वाले राहगीरों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, रोड किनारे जमी धूल की परत की सफाई करने और वार्ड में निर्मित सार्वजनिक शौचालय में आवश्यक सामग्रियों के साथ-साथ साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र रोहरा ने कहा कि शहरवासियों की मूलभूत सुविधाएं देने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए, शहर मध्य संचालित सार्वजनिक शौचालय में मूलभूत सुविधाओं के न होने की सूचना मिली जिसको अति शीघ्र पूरा करने की बात कही। पार्षद विजय मोटवानी एवं श्यामलाल नेताम ने बताया कि वार्डों की नाली सफाई एवं गंदगी के कारण स्थानीय निवासियों को विभिन्न तकलीफों का सामना करना पड़ा है, गुणवत्ता एवं मापदंड के अनुसार जन सुविधा शौचालय में नहीं है, शौचालय में पानी निकासी, लाइट सुविधा नहीं एवं अंदर में लगे नल कनेक्शन पूर्ण रूप से टूटा हुआ है, उसे जल्द से जल्द दुरुस्त किए जाने कहा गया, विधायक रंजना साहू नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र रोहरा एवं पार्षद विजय मोटवानी, पार्षद श्यामलाल नेताम ने बस स्टैंड का निरीक्षण करते हुए स्थानीय व्यापारियों से चर्चा किए और स्वच्छ व्यवस्था बनाने के लिए उपस्थित डिप्टी कमिश्नर श्री सार्वा, स्वच्छता मिशन अधिकारी शशांक मिश्रा उप अभियंता कमलेश ठाकुर कामता नागेंद्र को निर्देशित किए।

पत्थलगांव विधानसभा सीट पर कंवर और गोंड समाज हैं बड़ा फैक्टर

जशपुर। सरगुजा संभाग में कुल 14 विधानसभा सीटें है। इसी संभाग में जशपुर जिला भी पड़ता है। इस जिले में तीन विधानसभा सीटें है। इसमें एक है पत्थलगांव विधानसभा सीट है। सबसे पहले साल 1962 में पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र में चुनाव हुआ था। इस सीट पर पिछले कई बार से कांग्रेस जीत दर्ज करती आ रही थी। फिलहाल इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। वर्तमान में रामपुकार सिंह यहां से विधायक हैं। पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र में कुल 210498 मतदाता हैं। इनमें 104061 पुरुष मतदाता हैं। जबकि 106437 महिला मतदाता हैं। इस सीट पर महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है।

मुद्दे और समस्या- इस क्षेत्र का प्रमुख मुद्दा मूलभूत सुविधाओं की कमी का है। यहां नगर से लेकर गांव तक सड़कें जर्जर है। इसके अलावा कटनी गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग की बदहाल स्थिति सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा है। शहरी इलाकों में पानी की कमी तो है ही। साफ-सफाई में कमी भी यहां बड़ी समस्या है। बीते लगभग एक दशक से राष्ट्रीय राजमार्ग नहीं बन पाया है। टमाटर प्रोसेसिंग कर सॉस बनाने के लिए प्लांट लगाया गया था, हालांकि वो भी बंद पड़ा है।

2018 के चुनाव की तस्वीर- पत्थलगांव विधानसभा सीट पर साल 2018 को हुए चुनाव में कांग्रेस के रामपुकार सिंह ने जीत हासिल की थी। कांग्रेस ने 96599 वोट पाकर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस का वोट प्रतिशत 56% था। वहीं, भाजपा को साल 2018 में 59913 मिले थे। 2018 में भाजपा प्रत्याशी शिवशंकर पैकरा को हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा का वोट प्रतिशत 35% था।

कंवर और गोंड जाति विनिंग फैक्टर- पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र में कंवर मतदाताओं की संख्या अधिक है। इसके साथ ही उरांव और गोंड समाज के मतदाता भी चुनाव में महत्व रखते हैं। यही कारण है कि यहां से प्रत्याशी भी कंवर या गोंड जाति से ही चुने जाते हैं। इस क्षेत्र में कंवर और गोंड समाज के लोग ही निर्णायक की भूमिका निभाते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

नेहरू मेमोरियलका नाम बदलने पर राष्ट्रपति मुर्मु ने लगाई मुहर

नईदिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली में नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलने को मंजूरी दे दी है। सरकार ने एक गजट अधिसूचना में कहा, अब इसे आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसायटी कहा जाएगा। जून के मध्य में, एनएमएमएल सोसायटी की एक विशेष बैठक के दौरान, संस्था का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसायटी करने का संकल्प लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सोसायटी के उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस पर इस नाम को औपचारिक रूप दिया गया। प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय की कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष ने एक्स, जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था, पर अपडेट पोस्ट किया था। इसमें कहा गया था कि नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) अब 14 अगस्त, 2023 से प्रधान मंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसायटी है, जो समाज के दायरे के लोकतंत्रीकरण और विविधीकरण के अनुरूप है।

इंडिया की बैठक में सिब्बल की एंट्री से भड़की कांग्रेस

मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) ब्लॉक की दो दिवसीय बैठक में राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल की एंट्री ने कांग्रेस को असमंजस की स्थिति में डाल दिया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी सिब्बल के अचानक महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मिलने की शिकायत की, जो इंडिया बैठक का भी हिस्सा हैं और इसकी मेजबानी भी कर रहे हैं। इस बीच राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें किसी से कोई आपत्ति नहीं है। एक वीडियो में कपिल सिब्बल को सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से दूर विपक्ष के नेताओं के साथ खड़े दिखाया गया, जब वे एक फोटो सत्र के लिए पोज दे रहे थे। वहीं, कुछ नेताओं ने कपिल सिब्बल का बचाव भी किया। इनमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला और अखिलेश यादव शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सिब्बल को बैठक के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था।

हेमंत सोरेन को ईडी का समन 9 को पेश होने का निर्देश

रांची। जमीन घोटाला मामले में शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तीसरा नोटिस जारी किया है। जानकारी के मुताबिक ईडी ने फिर से 9 सितंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। उधर सीएम हेमंत ने पहले ही ईडी के समन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे चुके हैं। उन्होंने समन को असंवैधानिक एवं दुर्भावना से प्रेरित बताया था। सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी के समन को दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जिसमें उन्होंने न्याय एवं कानून मंत्रालय और ईडी निदेशालय को प्रतिवादी बनाया है। हालांकि इस मामले में अभी तक अदालत में सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है। ज्ञात हो कि बीत वर्ष भी जांच एजेंसी ने अवैध खनन मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए बुलाया था। ईडी ने जमीन घोटाला मामले में सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 14 अगस्त को समन जारी किया था।

विशेष सत्र में चीन समेत अन्य मुद्दों पर बहस हो : ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार द्वारा बुलाए गए संसद के विशेष सत्र में चीन के साथ सीमा मुद्दे पर बहस की मांग की है। उन्होंने मांग की कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार चीन पर व्यापक बहस कराए। ओवैसी ने हैदराबाद में संवाददाताओं से कहा, चीन ने हमारी 2,000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है। हमने पहले भी मांग की थी कि एक विशेष सत्र बुलाया जाए। हम उम्मीद करते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हैं कि विशेष सत्र में चीन पर व्यापक बहस होगी। हमने देपसांग और डेमचोक में जमीन खो दी है। उन्होंने दावा किया कि हम भारत-चीन सीमा पर 25 गश्त बिंदुओं पर गश्त करने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार विशेष सत्र में आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को भंग करे। उन्होंने कहा, रोहिणी आयोग (ओबीसी उप-वर्गीकरण पर) ने भी अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

लॉन्च नहीं हुआ इंडिया गठबंधन का लोगो

मुंबई। विपक्षी गुट इंडिया की बैठक के दूसरे दिन गठबंधन द्वारा कई प्रमुख मामलों पर निर्णय लेने की उम्मीद है, जिसमें एक समन्वय समिति का गठन और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 2024 से लोकसभा चुनाव में मुकाबला करने के लिए एक साझा एजेंडा शामिल है। हालाँकि, लोगो का अनावरण शुक्रवार को नहीं हुआ। सूत्रों के मुताबिक नए सुझावों को लागू करने के लिए लोगो की रिलीज टाल दी गई है। गठबंधन की तीसरी बैठक का उद्देश्य अभियान की रणनीति तैयार करना और विपक्षी गुट की औपचारिक संरचना को अंतिम रूप देना है। समन्वय समिति का गठन बैठक के शीर्ष एजेंडे में से एक है। सूत्रों के मुताबिक, समन्वय समिति दो स्तरों पर बनेगी- केंद्र और राज्य। महत्वपूर्ण रणनीतियाँ विकसित करने के लिए दोनों स्तर एक-दूसरे के साथ समन्वय करेंगे। संसदीय चुनावों की जल्द घोषणा की अटकलों को देखते हुए गठबंधन सहयोगियों का मानना है कि समन्वय समिति और अन्य समूहों का गठन जल्द किया जाना चाहिए।

एक राष्ट्र, एक चुनाव : विपक्ष पर भाजपा का पलटवार

अभी तो समिति बनी है, इतना घबराना क्यों: जोशी

नईदिल्ली। सरकार की ओर से संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। इसके बाद एक राष्ट्र, एक चुनाव को चर्चा तेज हो गई है। इस विचार की संभावना तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के नेतृत्व में एक समिति भी बनाई गई है। वहीं, एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर विपक्ष सरकार पर निशाना साध रहा है। हालांकि, भाजपा की ओर से पलटवार किया जा रहा है। एक राष्ट्र, एक चुनाव पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि अभी तो समिति बनी है, इतना घबराने की बात क्या है? समिति की रिपोर्ट आएगी, फिर पब्लिक डोमेन में चर्चा होगी। संसद में चर्चा होगी। उन्होंने सवाल किया कि घबराने की बात क्या है?...बस समिति बनाई गई है, इसका अर्थ यह नहीं है कि यह कल से ही हो जाएगा।

भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा, विशेष सत्र पर प्रह्लाद जोशी ने जो ट्वीट किया था उसमें बस यही था कि अमृत काल में 5 दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। उन्होंने एजेंडा के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं किया है। मुझे लगता है कि कयास लगाने की ज़रूरत नहीं है, इंतज़ार करना चाहिए... अभी तो बस कमेटी बनी है, बिना रिपोर्ट आए बिल आने की कोई संभावना नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, वन नेशन वन इलेक्शन एक अभिनंदनीय प्रयास है। हमें ये जानकर प्रसन्नता है कि वन नेशन वन इलेक्शन के लिए जो कमेटी बनी है उसके अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को बनाया गया है। इस अभिनव पहल के लिए मैं उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। ये आज की आवश्यकता है। बार-बार चुनाव विकास कार्यों में बाधा पैदा करती है। चुनाव की प्रक्रिया को कम से कम 1.5 महीने का समय लगता है। इसके लिए आवश्यक है कि लोकसभा विधानसभा और अन्य सभी प्रकार के चुनावों का हम एक साथ आयोजन करें।

देवेंद्र फड़णवीस ने कहा, वन नेशन, वन इलेक्शन बहुत ही सही प्रस्ताव है। देश में लगातार चुनाव होते हैं, आधा श्रम चुनाव में जाता है। कहीं-कहीं चुनाव की आचार संहिता लगती है तो उसके कारण भी काम में देरी हो जाती है। संसाधन खर्च होते हैं...वन नेशन, वन इलेक्शन से 5 साल की खुली स्लेट होगी, पैसा भी बर्बाद नहीं होगा और

काम भी सुचारू रूप से होगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, आज पीएम नरेंद्र मोदी ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के मुद्दे पर एक आयोग नियुक्त करके एक बहुत ही ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुझे बहुत खुशी है कि राम नाथ कोविन्द जैसे कद के व्यक्ति ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। एकाधिक चुनावों में बहुत सारा पैसा खर्च होता है और क्योंकि हर बार भारत चुनाव मोड में होता है, इसलिए विकास को बहुत नुकसान होता है।

एक राष्ट्र एक चुनाव : यह मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए लाया गया : संजय राउत

विपक्ष ने शुक्रवार को एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव के लिए एक पैनल बनाने के फैसले पर भाजपा की आलोचना की और आरोप लगाया कि यह समय से पहले लोकसभा चुनाव कराने की भगवा पार्टी की साजिश है। इस विचार की संभावना तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के नेतृत्व में एक समिति बनाने के केंद्र के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, देश पहले से ही एक है। क्या कोई उस पर सवाल उठा रहा है? हम निष्पक्ष चुनाव की मांग करते हैं, एक देश एक चुनाव की नहीं। एक राष्ट्र एक चुनाव का यह फंडा निष्पक्ष चुनाव की हमारी मांग से ध्यान हटाने के लिए लाया जा रहा है... वे (केंद्र) निष्पक्ष चुनाव की हमारी मांग को स्थगित करने के लिए इसे लाए हैं।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को एक राष्ट्र, एक चुनाव पर बनी कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया नियमों और परंपराओ से चलती है... लेकिन अपना कार्यकाल पूरा कर चुके राष्ट्रपति सरकार के प्रति जवाबदेह हो या सरकार द्वारा गठित किसी कमेटी के अध्यक्ष बने हो ऐसा मुझे याद नहीं आता है। आखिर क्यों? शिवसेना(उद्धव ठाकरे गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, इस मुद्दे पर एक कमेटी बनी है, मैं पूछती हूं कि कमेटी महिलाओं की सुरक्षा, किसानों के अधिकारों, महिला आरक्षण, बेरोजगारी पर कब बनेगी? 3 कमेटी रिपोर्ट पहले ही आ चुकी हैं और वे कमेटी रिपोर्ट कहती हैं कि 5 संशोधन करने पड़ेंगे।

एक देश, एक चुनाव को लेकर कमेटी गठित, रामनाथ कोविंद होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली। एक देश, एक चुनाव की दिशा में सरकार ने पहला कदम उठा दिया है। दरअसल सरकार ने इसकी संभावनाओं पर विचार के लिए एक कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी का अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बनाया गया है। कमेटी के सदस्यों पर थोड़ी देर में नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। हालांकि विपक्षी पार्टियों ने सरकार के इस कदम पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने सवाल किया है कि अभी इसकी क्या जरूरत है? पहले महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों का निवारण होना चाहिए। वहीं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी आज पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। दोनों की मुलाकात का वीडियो भी सामने आया है। बता दें कि चुनाव कराने की वित्तीय लागत, बार-बार प्रशासनिक स्थिरता, सुरक्षा बलों की तैनाती में होने वाली परेशानी और राजनीतिक दलों की वित्तीय लागत को देखते हुए मौजूदा सरकार एक देश, एक चुनाव की योजना पर विचार कर रही है। इसके तहत सरकार लोकसभा और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराना चाहती है। साल 1951-52 में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए, लेकिन बाद में 1968, 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने और 1970 में लोकसभा को समय से पहले भंग होने से यह साथ चुनाव कराने का चक्र बाधित हो गया। यही वजह है कि अब स्थिति ये हो गई है कि हर साल कहीं ना कहीं चुनाव हो रहे होते हैं।

इंडिया गठबंधन की बैठक में बोले कांग्रेस अध्यक्ष

हमारी ताकत से सरकार भयभीत: खड़गे

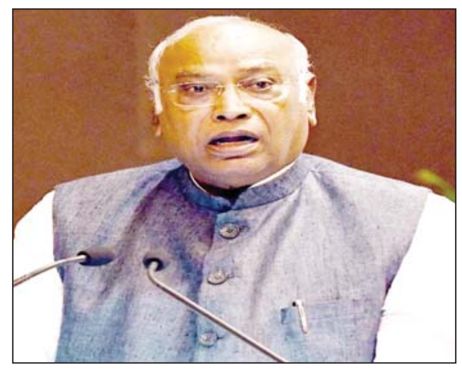

मुंबई। आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक मुबंई हो रही है। इसमें 28 दलों ने हिस्सा लिया है। गठबंधन की यह तीसरी बैठक है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्ष की बैठक में कहा कि भाजपा एजेंसियों पर पूर्ण नियंत्रण चाहती है। उन्होंने कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का आधार बढ़ रहा है, ऐसे में भाजपा सरकार हमारे नेताओं के खिलाफ एजेंसियों का 'दुरूपयोग'' करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी ताकत सरकार को 'भयभीत' कर रही है और इसी कारण मनमाने तरीके से अहम विधेयक लेकर आयी, हमारे सांसदों को निलंबित किया। खरगे ने कहा कि भाजपा, आरएसएस ने नौ वर्षों में जो 'सांप्रदायिकता का जहर' फैलाया है वह अब ट्रेन में यात्रियों, स्कूल के बच्चों के खिलाफ नफरत भरे अपराधों के तौर पर दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस सरकार की 'प्रतिशोध की राजनीति' के कारण हमें आने वाले माह में और हमलों, और छापों, गिरफ्तारियों के लिए तैयार रहना चाहिए।खरगे ने कहा, हमारी दोनों बैठकों की सफलता, पहली पटना में और दूसरी बेंगलुरु में, इस तथ्य से मापी जा सकती है कि प्रधानमंत्री ने अपने बाद के भाषणों में न सिर्फ इंडिया पर हमला बोला बल्कि हमारे प्यारे देश के नाम की तुलना आतंकवादी संगठन और गुलामी के प्रतीक से भी की। इससे पहले विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सराहना करते हुए शुक्रवार को एक प्रस्ताव पारित किया और कहा कि इस अंतरिक्ष एजेंसी को बनाने, विस्तार देने और इसके क्षमता निर्माण में छह दशक का समय लगा है। उसने उम्मीद जताई कि इसरो की असाधारण उपलब्धियां समाज में वैज्ञानिक चेतना को मजबूत करेंगी और युवाओं को विज्ञान में उत्कृष्टता प्राप्त करने को प्रेरित करेंगी।

संयोजक पर फैसला नहीं, 13 सदस्यों की कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन

विपक्षी गुट इंडिया, जो मुंबई में अपनी तीसरी बैठक कर रहा है, ने 13 सदस्यों वाली एक केंद्रीय समन्वय समिति की घोषणा की। गठबंधन ने आगामी लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने का प्रस्ताव भी पारित किया है। पैनल में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत, राजद नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी, आप सांसद राघव चड्ढा, समाजवादी पार्टी से जावेद खान, जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सीपीआई नेता डी राजा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती शामिल हैं।

हालांकि, गठबंधन शुक्रवार को गठबंधन के लोगो का अनावरण नहीं किया। नए सुझावों को लागू करने के लिए लोगो का विमोचन स्थगित कर दिया गया है। बैठक में 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से मुकाबला करने के लिए एक साझा एजेंडे पर निर्णय लेने की भी उम्मीद है। इसके साथ ही एक बयान जारी कर कहा गया है, हम, इंडिया की पार्टियां, आगामी लोकसभा चुनाव जहां तक संभव हो मिलकर लड़ने का संकल्प लेते हैं। विभिन्न राज्यों में सीट-बंटवारे की व्यवस्था तुरंत शुरू की जाएगी और लेन-देन की सहयोगात्मक भावना के साथ जल्द से जल्द संपन्न की जाएगी।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत-पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला आज

कैंडी। लगभग एक साल बाद भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे से भिड़ने को तैयार हैं। एशिया कप 2023 में टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को कैंडी में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। वहीं पाकिस्तान ने अपने पहले मैच में नेपाल को 238 रन से रौंदते हुए अपने एशिया कप अभियान की विजयी शुरुआत की है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 151 रन की शानदार पारी खेलते हुए टीम इंडिया के लिए कड़ा संकेत भेजा है।

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया की नजरें पाकिस्तान को हराकर एशिया कप में अपने अभियान की दमदार शुरुआत करने पर है। इन दोनों टीमों के बीच हुई आखिरी वनडे भिड़ंत में भारत ने 2019 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 89 रन से हराया था। वहीं इन दोनों टीमों के बीच हुई आखिरी भिड़ंत में विराट कोहली के शतक की मदद से भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 में पाकिस्तान को अहम मुकाबले में हराया था।

पिछले कुछ सालों से भारतीय ओपनर बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते रहे हैं। फिर चाहे वो 2017 चैंपियंस ट्रॉफी हो, 2019 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल या फिर 2021 टी20 वर्ल्ड कप, इन तीनों मैचों में भारतीय टॉप ऑर्डर को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों, मोहम्मद आमिर, ट्रेंट बोल्ट और शाहीन अफरीदी ने ढहाया था। ऐसे में 2 सितंबर को एशिया कप में होने वाली भिड़ंत में रोहित शर्मा के सामने शाहीन अफरीदी से पार पाने की चुनौती होगी। शाहीन हाल के दिनों में अपने पहले ही ओवर में विकेट लेते रहे हैं। हाल के दिनों में तेज गेंदबाजी के सामने अनिश्चित फुटवर्क की वजह से रोहित आउट होते रहे हैं। 2021 टी20 वर्ल्ड कप में शाहीन ने उन्हें गोल्डन डक पर आउट किया था। हालांकि वो टी20 मैच था और एशिया कप की भिड़ंत वनडे फॉर्मेट में होगी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 556 अंक उछला निफ्टी 19,400 के पार

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले मजबूत रुझानों और सकारात्मक घरेलू आर्थिक आंकड़ों के बीच शुक्रवार को ऊर्जा, धातु एवं तेल शेयरों में खरीदारी के कारण हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुए। दोनों फ्रंटलाइन इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त तेजी देखी गई। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स ने 556 अंकों की उछाल दर्ज की। वहीं, निफ्टी में भी 181 अंको की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 555.75 अंक यानी 0.86 फीसदी की बढ़त के साथ 65,387.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,473.27 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,818.37 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (हस्श्व) के निफ्टी में भी 181.50 अंक यानी 0.94 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,435.30 अंक पर बंद हुआ।

अगस्त में जीएसटी कलेक्शन 1.6 लाख करोड़ रु. पर पहुंचा

नईदिल्ली। जीएसटी राजस्व अगस्त 2023 में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ा। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अगस्त 2022 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से 1,43,612 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था। मल्होत्रा ने पत्रकारों से कहा, 'मोटे तौर पर इसमें सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं।' इस 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मोटे तौर पर संग्रह करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये होगा। वह अगस्त के लिए अपेक्षित जीएसटी राजस्व पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसका आंकड़ा शुक्रवार को शाम तक जारी किया जाएगा। मल्होत्रा ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर (जीडीपी) 7.8 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा, 'जून तिमाही में जीएसटी राजस्व 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। इसका मतलब है कि कर-जीडीपी अनुपात 1.3 से अधिक है।'

महिंद्रा लॉजिस्टिक्स और फ्लिपकार्ट ने मिलाया हाथ

नईदिल्ली। भारत के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक, महिंद्रा लॉजिस्टिक्स ने एकीकृत लाइन हॉल समाधानों के लिए फ्लिपकार्ट के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी से परिचालन दक्षता और स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। फ्लिपकार्ट के पूरे देश में ऑपरेशन्स को सुचारू बनाने के लिए, महिंद्रा लॉजिस्टिक्स भारी वाणिज्यिक वाहनों का एक समर्पित बेड़ा, रुट मैनेजमेंट, नेटवर्क संचालन, और एडवांस एनालिस्टिक मुहैया कराएगी। महिंद्रा लॉजिस्टिक्स डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स के सहयोग से फ्लिपकार्ट के लिए 32 फीट सिंगल एक्सल भारी वाणिज्यिक वाहनों का संचालन करेगी, जो देश भर में कई राष्ट्रीय मार्गों पर चलेंगे। सुरक्षा के लिहाज से, सभी वाहनों में एडवांस ड्राइवर-सहायता प्रणाली, और विभिन्न अन्य वाहन सुरक्षा के साथ-साथ ड्राइवर सुरक्षा और आराम से संबंधित मॉर्डन सुविधाएँ होंगी।

मूडीज ने बढ़ाया भारत का ग्रोथ अनुमान

नईदिल्ली। रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने मजबूत आर्थिक गति के चलते 2023 कैलेंडर वर्ष के लिए भारत की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर शुक्रवार को 6.7 प्रतिशत कर दिया। मूडीज ने अपने 'ग्लोबल मैक्रो आउटलुक' में कहा, 'मजबूत सेवाओं के विस्तार तथा पूंजीगत व्यय ने भारत की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही में एक साल पहले की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि को प्रेरित किया। इसलिए हमने भारत के लिए अपने 2023 कैलेंडर वर्ष के वृद्धि का अनुमान 5.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है।' रेटिंग एजेंसी ने कहा कि दूसरी तिमाही का बेहतर प्रदर्शन 2023 में उच्च आधार प्रदान करता है। ''हमने अपना 2024 का वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.1 प्रतिशत कर दिया है।''

वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत होता भारत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अगस्त को दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में चुनौतियों और उथल-पुथल के दौर के बीच भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा मिशन-मोड में किए जा रहे सुधारों से भारत में कारोबारी सुगमता में वृद्धि हुई है। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है और देश में 100 से अधिक यूनिकार्न हैं। साथ ही जल्द ही भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर दुनिया के लिए विकास का इंजन बन जाएगा। गौरतलब है कि 23 अगस्त को प्रकाशित एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक इस समय लड़खडाती हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भयावह काले बादल छाए हुए हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 2023 में लगभग 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर संभावित की गई है। यह अगले वर्ष 2024 में और घटकर 2.4 फीसदी रह सकती है। यदि हम वैश्विक परिदृश्य को देखें तो पाते है कि पिछले वर्ष के दौरान तेजी से मौद्रिक नीति सख्त होने से वैश्विक आवास, बैंक ऋण और औद्योगिक क्षेत्र में कमजोरी आई है। स्पष्ट है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के हालात चुनौतीपूर्ण हैं। चीन, अमेरिका और जापान जैसी अर्थव्यवस्थाओं से भी चिंताजनक संदेश हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन की अर्थव्यवस्था को एक ऐसे टाइम बम की संज्ञा दी है, जो कभी भी फट सकता है। दुनिया की वित्तीय एजेंसियां यह टिप्पणी कर रही है कि चार दशक से विकास कर रहे चीन के लिए अब अवसान का समय आ गया है। कोविड-19 की सुस्ती के बाद चीन की

अर्थव्यवस्था के द्वारा रफ्तार पकड़ने की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया है।

चीन में सुस्त उपभोक्ता खर्च, निर्यात में गिरावट, बड़ी-बड़ी कंपनियों का दिवालियापन, युवाओं में बेरोजगारी से निराशा, बढ़ते सरकारी ऋण, घरेलू मांग में कमी, कारोबारी गतिविधियां का धीमी होना, निवेशकों के चेहरे पर निराशाएं, मांग की तुलना में अधिक उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा की चिंता में अधिक बचत की प्रवृत्ति के कारण बाजार में खरीदी में कमी जैसी जटिल स्थितियों के बीच अब चीनी अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के रास्ते सीमित हो गए हैं। जहां चीन में इस समय मुद्रा संकुचन (मनी डिफ्लेशन) की स्थिति है वहीं अमेरिका में मुद्रा स्फीति (मनी इंफ्लेनेशन) की स्थिति है। अमेरिका मार्च 2022 से अब तक 11 बार ब्याज दरों में इजाफा करने के बाद भी मुद्रास्फीति का सामना कर रहा है। वह असाधारण ऋण से भी गुजर रहा है। पिछले तीन वर्षों में उसके कर्ज में करीब 8 लाख करोड़ डॉलर का इजाफा भी हुआ। परिणामस्वरूप रेटिंग एजेंसी फिच ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग को एए प्लस से कम करके एएए कर दिया है। जापान में भी हालात अच्छे नहीं हैं। जापान में इसके लिए खाद्यान्न, ईंधन और टिकाऊ वस्तुओं की ऊंची कीमतें उत्तरदायी हैं। वहां मुद्रास्फीति बढ़ी है और डॉलर के मुकाबले येन काफी कमजोर हुआ है। वहीं, विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक वर्ष 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति वाली होगी। भारत की विकास दर 2023 में 5.9 फीसदी व 2024 में 6.1 फीसदी अनुमानित है। रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आएगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में उसकी अहमियत बढ़ा रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ाने में आर्थिक वित्तीय सुधारों के साथ बुनियादी ढांचे के विकास की अहम भूमिका है। भारत बौद्धिक संपदा, शोध और नवाचार की डगर पर आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में विकास को अपनी मुट्ठियों में कर रहा है। भारत में उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए चलाये गये विशेष अभियान मील का पत्थर बनते जा रहे हैं।

नीतीश बाबू के वन-टु-वन फॉर्म्युले का क्या होगा

आलोक कुमार

नीतीश कुमार राजनीति के माहिर खिलाड़ी हैं। भाजपा को दूसरी बार बाय-बाय करने वाले नीतीश यू-टर्न वाली राजनीति के लिए बिहार के भीतर और बाहर आलोचना झेलते आए हैं। उनकी विश्वसनीयता दांव पर थी, लेकिन आज उस यू-टर्न की चर्चा मंद हो गई है। उन्होंने भाजपा विरोध को राष्ट्रीय कलेवर देने की कोशिश कर इससे ध्यान हटाने में कामयाबी हासिल की है। इस साल अप्रैल में वह ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता पहुंचे और टीएमसी ने पश्चिम बंगाल की पेचीदा राजनीति में कांग्रेस को साधते हुए भाजपा का विरोध करने पर सहमति जता दी। फिर उसी दिन वह लखनऊ में अखिलेश यादव से मिले। इससे पहले और इसके बाद नीतीश अरविंद केजरीवाल, स्टालिन, केसीआर समेत तमाम विपक्षी नेताओं से मिलते रहे हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश दो ऐसे राज्य हैं, जहां नीतीश कुमार के वन टु वन फॉर्म्युले का लिटमस टेस्ट है। यह फॉर्म्युला है लोकसभा की अधिकतम सीटों पर भाजपा के खिलाफ इंडिया का कोई एक साझा प्रत्याशी खड़ा करने का। यह कितना कठिन है, इसे ममता बनर्जी की मिसाल से समझिए। वह कांग्रेस से लड़ीं, फिर अलग होकर पश्चिम बंगाल की राजनीति में दबदबा कायम किया। इसके बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की अगुआई वाले लेफ्ट फ्रंट को हराकर टीएमसी को सत्ता दिलाई। क्या अब इस मोड़ पर वह कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट से हाथ मिलाने को तैयार होंगी और इस तरह वन टु वन फॉर्म्युले को आगे बढ़ाने का जरिया बनेंगी? इस सवाल का जवाब शायद मुंबई की बैठक में मिले। लेकिन जहां तक नीतीश के इस फॉर्म्युले के इंपैक्ट की बात है तो उसकी प्रयोगशाला तय हो चुकी है। वह है यूपी का घोसी उपचुनाव, जहां पांच सितंबर को वोट डाले जाएंगे। कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के पक्ष में उम्मीदवार नहीं उतारा है। मायावती का स्टैंड अभी तक एनडीए और इंडिया दोनों से अलग रहने का है, लेकिन घोसी में उम्मीदवार उनका भी नहीं है। ध्यान रहे, उपचुनाव न लड़ने की परंपरा मायावती त्याग चुकी हैं। 2020 के विधानसभा उपचुनावों और आजमगढ़ में लोकसभा उपचुनाव में बसपा उम्मीदवार मैदान में थे। इसलिए घोसी का चुनाव परिणाम इंडिया के लिए काफी अहम साबित होने वाला है। खैर अब वन टु वन फॉर्म्युला देने वाले नीतीश कुमार पर लौटते हैं। 2013 में नरेंद्र मोदी का विरोध कर पहली बार भाजपा से अलग होने वाले नीतीश की साख 2023 में वैसी नहीं है। कहने को तो आज भी जेडीयू उन्हें पीएम मटीरियल बताती है, लेकिन तब यानी 2013 में कांग्रेस के सत्ता में रहते वह मोदी का विरोध कर विपक्ष के पोस्टर बॉय बन गए थे। आज राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और कर्नाटक-हिमाचल में मिली जीत से कांग्रेस का मनोबल बढ़ा हुआ है। ममता बनर्जी के साथ ही अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे और केसीआर की भी राजनीति भाजपा विरोध पर टिकी हुई है। ऐसे में पिछले साल नौ अगस्त की सुबह तक भाजपा के साथ रहने वाले नीतीश को पीएम मटीरियल के तौर पर स्वीकृति मिलना आसान नहीं है। शायद इसीलिए इंडिया के संयोजक बनने पर भी बयानबाजी तेज है। उकताकर नीतीश ने भी कह दिया है कि उन्हें किसी पद से मतलब नहीं है और वह सिर्फ सबको एकजुट कर रहे हैं। दरअसल, पद निरपेक्ष मुद्रा रख कर नीतीश अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं। उन पर राष्ट्रीय जनता दल का भी दबाव है। तेजस्वी महागठबंधन की अगुआई करने के लिए तैयार बैठे हैं। नीतीश की रणनीति दिल्ली शिफ्ट होकर बिहार की राजनीति कंट्रोल करने की है। इसका उन्हें पुराना अनुभव है। कई फैक्टर उनके पक्ष में काम कर रहे हैं। नीतीश कुमार पांच दशक से राजनीति में सक्रिय हैं लेकिन उनकी छवि हमेशा बेदाग रही। उन्होंने हमेशा यह स्टैंड रखा कि भाजपा से लड़ाई सीधी रखनी होगी, तीसरे मोर्चे की कोई गुंजाइश नहीं है। राजनीति से इतर व्यक्तिगत स्वभाव के कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों खेमे में उनकी पैठ है। उनके पास सामाजिक सुधार आधारित विकास मॉडल है, जिसे अब दूसरे राज्यों में भी बढ़ाया जा रहा है। आधी आबादी पर फोकस इसके केंद्र में है। उनकी सरकार जातीय जनगणना पूरा करने की कोशिश कर रही है। इससे गैर यादव अन्य पिछड़ा वर्ग वोट बैंक जो भाजपा की तरफ शिफ्ट हो गया हैं, वापस उनकी ओर आ सकता है। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हमेशा भाजपा का विरोध करने वाले लालू और नीतीश समाजवादियों की दूसरी पीढ़ी के नेताओं में हैं, जिन्होंने इमरजेंसी देखी और इंदिरा के विरोध में जयप्रकाश नारायण के साथ एकजुट हुए थे।

विशेष सत्र से विपक्ष में बेचैनी

अजय सेतिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडी एलायंस की हर मीटिंग से पहले कुछ ऐसा कर देते हैं कि ध्यान उसी बात पर केन्द्रित हो जाता है। जैसे इस बार उन्होंने संसदीय मामलों की केबिनेट कमेटी की बैठक बुलवा कर संसद का विशेष सत्र बुलवाने का एलान करवा दिया। यह कोई अचानक हुआ फैसला नहीं है, मोदी के दिमाग में यह रणनीति लंबे समय से चल रही होगी। मोदी क्या करना चाहते हैं, इसकी भनक किसी को नहीं रहती। इसलिए 31 अगस्त की शाम को जब संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने विशेष सत्र की सूचना दी, तो मुम्बई में खलबली मच गई। सबसे पहले उद्धव शिवसेना की प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी की टिप्पणी आई कि गुपचुप तरीके से विशेष सत्र बुला लिया गया, और वह भी गणेश चतुर्थी के मौके पर। वैसे, किसी भी राजनीतिक दल को संसद का सत्र बुलाने पर क्यों आपत्ति होनी चाहिए, बल्कि विपक्ष को तो खुश होना चाहिए कि उन्हें सरकार पर हमला करने का एक और मौक़ा मिल रहा है।

हर किसी के मन में कौतूहल होना स्वाभाविक है कि मोदी सरकार विशेष सत्र में क्या करना चाहती है। तरह तरह की अटकलें लग रही हैं कि समान नागरिक सहिंता का बिल आ सकता है, या एक देश एक चुनाव का बिल आ सकता है, या जनसंख्या नियन्त्रण का बिल आ सकता है, या फिर मोदी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का बिल ला सकते हैं, और पांच दिनों में वह बिल पास करवा लेंगे, जो वह पास करवाना चाहते होंगे। क्योंकि सत्र 18 से 22 सितंबर पांच दिन का है, जो सोमवार से शुक्रवार बनता है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि इस विशेष सत्र में प्रश्नकाल, शून्य काल और प्राईवेट मेंबर का समय नहीं होगा। यानि मोदी सरकार एक से ज्यादा बिल पास करवाने का इरादा रखती है।

विपक्ष की आशंका इससे कहीं ज्यादा है। 31 अगस्त की पहली रात्रिभोज बैठक में वैसे तो सिर्फ औपचारिक मुलाक़ात ही होनी थी, लेकिन संसद का विशेष सत्र बैठक में चर्चा और चिंता का विषय बन गया। कम से कम पांच दलों के शीर्ष नेताओं ने मध्यावधि चुनाव की आशंका जताई है। जिनमें सबसे पहले उद्धव ठाकरे बोले, जिन्होंने कहा कि 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी है, जो सारी दुनिया में मनाई जाती है, इसलिए कोई कारण नहीं था कि हिन्दुओं के सबसे बड़े त्यौहार के समय संसद का विशेष सत्र बुलाया जाता। उद्धव ठाकरे यहीं पर नहीं रुके, उन्होंने कहा कि पता नहीं क्या खिचड़ी पका रहे हैं।

उद्धव ठाकरे की चिंता यह थी कि जब इंडी एलायंस की मीटिंग हो रही थी, ठीक उसी समय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के घर भी एक रात्रिभोज बैठक चल रही थी, जिसमें अजीत पवार, प्रफुल्ल पटेल, देवेन्द्र फड़नवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले, आरपीआई से केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले, आरपीआई के महादेव जानकर और जोगेंद्र कावडे भी मौजूद थे। इसीलिए उद्धव ठाकरे ने कहा कि पता नहीं क्या खिचड़ी पक रही है।

उद्धव ठाकरे के बाद ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल, नीतीश कुमार और अखिलेश यादव ने भी लोकसभा के चुनाव जल्द होने की आशंका जताई और कहा कि ज्यादा समय नहीं बचा है इसलिए गठबंधन की रूपरेखा, सीटों के बंटवारे का फार्मूला और बुलेट प्वाईंट में चुनाव का घोषणा पत्र जल्द से जल्द तैयार कर लेना चाहिए। ममता बनर्जी, जो पिछले कुछ दिनों से कह रहीं थीं कि मोदी दिसंबर में लोकसभा चुनाव करवा सकते हैं, उन्होंने कहा कि गठबंधन को अपने सारे काम 30 सितंबर तक पूरे कर लेने चाहिए।

दिसंबर में लोकसभा चुनाव संबंधी विपक्ष की आशंकाओं का कोई ठोस आधार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिन्दू वोट बैंक को टारगेट करने के लिए जनवरी 2024 में रामजन्मभूमि मन्दिर का शिलान्यास करने के बाद ही लोकसभा चुनाव करवाएंगे, इसका मतलब साफ़ है कि लोकसभा चुनाव अपने तय समय पर अप्रेल मई में ही होंगे। श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर के शिलान्यास की भव्य तैयारियां की जा रही हैं। दुनिया भर की नदियों का जल लाया जाएगा। दुनिया भर से हिन्दू भारत आएंगे, भारत के हर राज्य से भी लाखों लोग अयोध्या पहुंचेंगे। हिन्दू वोट बैंक को संबोधित करने के लिए मोदी इस मौके का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। इसलिए दिसंबर में मध्यावधि चुनाव का कोई कारण नहीं। मोदी अपने पांच साल का एक एक दिन इस्तेमाल करेंगे, यहां तक कि पहली फरवरी को पेश होने वाले अंतरिम बजट का भी इस्तेमाल करेंगे, याद रखना चाहिए कि मोदी सरकार ने पिछले चुनाव से ठीक पहले एक फरवरी 2019 के बजट में किसान निधि की घोषणा की थी।

हालांकि यह तय नहीं है कि मोदी सरकार कौन से बिल पेश करना चाहती है और कौन कौन से बिल तुरंत पास करवाना चाहती है, लेकिन विपक्ष में खलबली दो बिलों को लेकर ज्यादा है, एक है वन नेशन वन इलेक्शन और दूसरा है महिला आरक्षण बिल। विपक्ष के नेताओं को लगता है कि मोदी सरकार समान नागरिक सहिंता और जनसंख्या नियन्त्रण का बिल अभी नहीं लाएगी। लाएगी, तो सिर्फ पेश करेगी, लेकिन संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण का बिल अभी ला सकती है।

वन नेशन वन इलेक्शन इतना आसान नहीं है, क्योंकि इस क़ानून को लागू करने के लिए कई संविधान संशोधन करने पड़ेंगे। जिनमें से सबसे बड़ा तो यह होगा कि लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच साल फिक्स करना पड़ेगा। पांच साल तक उसी सदन से काम चलाना पड़ेगा, अगर ऐसा होगा तो राज्यपालों की शक्तियां खत्म हो जाएँगी। अगर किन्ही परिस्थितियों में कोई विधानसभा भंग होती है, और मध्यावधि चुनाव होता है, तो मध्यावधि से निर्वाचित सदन का कार्यकाल बाकी बचा कार्यकाल होगा, उसका कार्यकाल पांच साल नहीं हो सकता। इसलिए वन नेशन वन इलेक्शन में कई पेंच है, जिनका पहले हल निकाला जाना जरूरी है।

देश के पहले चार इलेक्शन एक साथ ही हुए थे, लेकिन 1969 में मध्यावधि चुनावों के कारण वह परंपरा खत्म हुई। वन नेशन वन इलेक्शन में आने वाली कई बाधाओं का समाधान निकालने के लिए लंबे मंथन की जरूरत है, जिसमें काफी लंबा वक्त लगेगा। वैसे विपक्ष वन नेशन वन इलेक्शन के लिए तैयार नहीं है। हालांकि सरकार की तरफ से वन नेशन वन इलेक्शन के बिल की कोई मंशा नहीं जताई गई है, लेकिन अखिलेश यादव ने सवाल दाग दिया है कि क्या उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव भी लोकसभा चुनावों के साथ करवाए जाएंगे। विपक्ष की आशंकाओं के बीच छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने वन नेशन वन इलेक्शन के समर्थन में बयान देकर विपक्ष की शान्ति भंग कर दी है।

वन नेशन वन इलेक्शन के बिल की संभावना न के बराबर है, लेकिन महिला आरक्षण बिल पास करवाने की संभावना सबसे ज्यादा लगती है। महिला वोटरों को ध्यान में रख कर मोदी एक एक कदम आगे बढ़ रहे हैं। उज्ज्वला योजना, हर घर नल, दो करोड़ लखपति दीदी, ये सब योजनाएं महिलाओं के विकास को ध्यान में रख कर बनाई गई हैं। इसलिए अगर कोई बात समझ में आती है, तो वह यह है विशेष सत्र का एजेंडा महिलाओं से जुड़ा हुआ हो सकता है।

मोदी भाजपा की अंदरुनी बैठकों में कई बार कह चुके हैं कि महिलाएं भाजपा का साइलेंट वोटर है। इसलिए महिलाओं के लिए मोदी कुछ बड़ा करना चाहते हैं, जिसके लिए वह दिसंबर में होने वाले शीत सत्र तक इन्तजार नहीं करना चाहते। संभवत वह नवंबर में होने वाले पांच विधानसभाओं के चुनावों से ही महिला आरक्षण क़ानून को लागू करवाना चाहते हैं, इसलिए विशेष सत्र का आईडिया आया होगा।

महिला आरक्षण बिल से मोदी के दो मकसद पूरे होंगे, एक महिला सशक्तिकरण का वादा पूरा होगा, और दूसरे महिला आरक्षण बिल आता है, तो यह विपक्ष में फूट का कारण बन सकता है, क्योंकि विपक्ष में ज्यादातर दल ऐसे हैं, जो संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण के खिलाफ रहे हैं। जेडीयू, आरजेडी और समाजवादी पार्टी के कारण ही पिछले 25 साल से संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण बिल पास नहीं हो सका था। वे तीनों पार्टियां अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। 2010 में यूपीए राज में जब महिला आरक्षण बिल राज्यसभा में पेश किया गया था, तो समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल ने हंगामा खड़ा कर दिया था। इन दोनों दलों के सात सांसदों को निलंबित किए जाने के बाद बिल पास हो सका था। लेकिन बाद में मनमोहन सरकार ने लोकसभा में बिल पास करवाने की हिम्मत नहीं दिखाई थी।

2014 में मोदी सरकार बनने के बाद 2017 में जब महिला आरक्षण का मुद्दा फिर से उछला था तो सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिठ्ठी लिख कर कहा था कि हमारे पास स्पष्ट बहुमत नहीं था इसलिए हम लोकसभा में बिल पास नहीं कर पाए थे, अब आपके पास बहुमत है, आप लोकसभा में बिल लाईए हम समर्थन करेंगे। ऐसा ही बयान राहुल गांधी ने भी दिया था। वैसे 2010 में राज्यसभा में भी भाजपा की मदद से ही बिल पास हुआ था।

भाजपा ने 1998 में भी बिल पास करने की कोशिश की थी। वाजपेयी सरकार के गृहमंत्री लाल कृष्ण आडवानी जब बिल पेश करने के लिए खड़े हुए थे, तो आरजेडी के सांसद सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने उनके हाथ से छीन कर बिल फाड़ दिया था। अब महिला बिल का जिक्र आते ही इंडिया गठबंधन में खलबली मची है। हालांकि संसद में अब लालू, नीतीश और अखिलेश के पल्ले भी कुछ नही बचा। इन तीनों दलों के कुल मिला कर लोकसभा में 19 और राज्यसभा में 14 सांसद ही हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-12)

गतांक से आगे...

जिसको स्थूल का ज्ञान नहीं है, न सूक्ष्म का ही ज्ञान है तथा जो स्थूल और सूक्ष्म दोनों का ज्ञाता नहीं है; जिसे ज्ञाता या अज्ञानी कुछ भी नहीं कहा जा सकता, जो प्रज्ञान का भी घनीभूत रूप नहीं है; जो दिखाई नहीं देता, जिसे न पकड़ा जा सकता, न व्यवहार में ही लाया जा सकता है तथा जो निराकार, अचिन्त्य अर्थात् अनुभूति रहित एवं अवर्णनीय है; जिसकी अनुभूति आत्मसत्ता के रूप में ही की जा सकती है, जो कल्याणकारी, प्रपञ्चरहित, सर्वथा शान्त, अद्वितीय तत्त्व है; वही भगवान् नृसिंह का चतुर्थ पाद है, ऐसा ज्ञानी पुरुष मानते हैं। वह आत्मा (परमात्मा) है, वह जानने योग्य है।

अब सावित्री मंत्र के बारे में बताते हैं यह सावित्री मंत्र यजुर्मंत्र के रूप में गायत्री छंद से संयुक्त होकर कहा गया है। यह सारा विश्व उसी से ओत-प्रोत है। (घृणि सूर्य आदित्यः मंत्र में) घृणिः में दो अक्षर, सूर्यः (व्यूहन क्रिया से सूरयः) में तीन अक्षर और आदित्य में तीन अक्षर हैं, इस प्रकार आठ अक्षरों वाला यह सावित्री मंत्र श्री (विभूति) से विभूषित है। इस मंत्र को इस तरह से जानने वाला लक्ष्मी के द्वारा विभूषित होता है।

ऐसा ऋचा के द्वारा कहा गया है ऋग्वेद की ऋचाएँ स्वयं प्रकाशित परमाकाश रूप अविनाशी ब्रह्म में प्रतिष्ठित हैं। जहाँ पर सभी देवता निवास करते हैं। उन स्वप्रकाश परमात्मा को जो साधक नहीं जानते, वे वेद पाठ से क्या लाभ प्राप्त कर लेंगे? जो उपासक उस ब्रह्म को इस प्रकार जानते हैं, वे आनन्द पूर्वक परम धाम में निवास करते हैं। सावित्री मंत्र को जो इस तरह से जान लेता है, ऋ, यजुः और सामवेद के मंत्रों की उसे आवश्यकता नहीं रहती।

जो सर्व ऐश्वर्यमयी देवी भूः लोक की लक्ष्मी, भुवः लोक की लक्ष्मी तथा स्वः लोक की लक्ष्मी हैं। जिनका नाम कालकर्णी है, वे महालक्ष्मी हमें श्रेष्ठ कर्मों की ओर प्रेरित करें। यह यजुर्वेदोक्त गायत्री महालक्ष्मी की गायत्री है, जो चौबीस अक्षरों वाली है। यह जो कुछ भी दृश्य जगत् है, निश्चय ही गायत्रीस्वरूप है। इन महालक्ष्मी यजुर्वेदमयी महारूपिणी गायत्री को जो जान लेता है, वह महान् ऐश्वर्य प्राप्त कर लेता है। हम नृसिंह भगवान् को (गुरु या शास्त्र से जानते हैं, उन वज्र सदृश नख वाले (परमात्मा) को हम हृदय में धारण करते हैं, वे भगवान् नृसिंह हमें सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करें।

देवताओं और वेदों की कारणभूता यही नृसिंह गायत्री है जो इस तरह जान लेता है, वह भगवान् को प्राप्त कर लेता है। प्रजापति ब्रह्माजी से देवताओं ने पूछा- हे प्रजापति! आप हमें यह बतायें कि भगवान् नृसिंह किन मंत्रों से प्रार्थना करने पर प्रसन्न होते हैं।

क्रमशः ...

विश्व नारियल दिवस

हर साल 2 सितंबर को पूरी दुनिया में विश्व नारियल दिवस मनाया जाता है। प्रकृति के सबसे बहुमुखी उत्पादों में से एक, नारियल का इस्तेमाल खाने-पीने और कॉस्मेटिक से लेकर सजावट तक हर चीज में किया जाता है। नारियल का इस्तेमाल कई भारतीय और विदेशी व्यंजनों में किया जाता है। एशियाई एवं पैसफिक क्षेत्र के सभी नारियल उत्पादक देश इंटरनेशनल कोकनट कम्युनिटी की स्थापना यानी 2 सितंबर को हर वर्ष विश्व नारियल दिवस मनाते हैं।

न केवल स्वास्थ्य के लिहाज से बल्कि आर्थिक रूप से भी नारियल के महत्व को समझाने के लिए हर साल विश्व नारियल दिवस मनाया जाता है। आईसीसी एक अंतर शासकीय संगठन है। नारियल दिवस मनाने का उद्देश्य नारियल के प्रति जागरूकता बढ़ाना, अहमियत बताना और इस फसल की ओर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना है। सालों से, इस दिन को नारियल के लाभों और इसके व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने और फैलाने के लिए मनाया जा रहा है।

विश्व नारियल दिवस पहली बार वर्ष 2009 में मनाया गया था। इस दिन को एशियाई और प्रशांत नारियल समुदायों द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाया गया था। इसे मनाने का मुख्य मकसद दुनियाभर में नारियल की खेती के बारे में लोगों को जागरूक करना है। इसके साथ ही नारियल उद्योग को बढ़ावा दिया जा सकता है। भारत दुनिया के टॉप नारियल उत्पादक देशों में से एक है, जिसमें कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों का प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बता दें कि वर्तमान में 18 देशों के सदस्य एक अंतर-सरकारी संगठन के रूप में काम कर रहे हैं, जिसमें भारत भी शामिल है। वहीं एशिया प्रशांत में नारियल समुदाय का हेड ऑफिस इंडोनेशिया के जकार्ता में है। इंडोनेशिया, दुनिया में सबसे ज्यादा नारियल का उत्पादन करता है।

आप जानते हैं नारियल के 5 फायदे

नारियल में प्रमुख पोषक तत्व होते हैं जिनमें 38.67 प्रतिशत कॉपर, 52.17 प्रतिशत मैंगनीज, 24.20 प्रतिशत आयरन, 18.80 प्रतिशत फाइबर, 8 प्रतिशत जिंक, 7.60 प्रतिशत वेलिन और 9.37 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। इसके कई फायदे हैं उनमें से पांच नीचे दिए गए हैं।

यह मोटापा कम करने में असरदार माना जाता है। पाचन क्रिया को बढ़ावा देने के लिए कारगर माना जाता है। शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए नारयल काफी फायदेमंद है, इससे शरीर हाइड्रेट रहता है। नारियल में मौजूद विटामिन-सी, मैग्नीशियम और पोटेशियम हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करते हैं। नारियल में मौजूद पोषक तत्व चेहरे की चमक बढ़ाते हैं।

भारत में, नारियल विकास बोर्ड (सीडीबी) विश्व नारियल दिवस पर देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित करता है। इस अवसर पर नारियल की खेती, उद्योग और अन्य नारियल से संबंधित गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को भी पुरस्कार दिए जाते हैं।

चीन को उसकी भाषा में जवाब देना जरुरी

बिक्रम उपाध्याय

वर्ष 2009 में चीन के आधिकारिक थिंक टैंक जान ल्यू ने बीजिंग को सलाह दी थी कि वह भारतीय गणतंत्र को 26 भागों में तोड़कर उससे निपटे। ऐसा लग रहा है कि बीजिंग उसी राह पर चल रहा है। हाल ही में चीन ने एक नक्शा जारी कर भारत के अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चीन को अपने हिस्से की जमीन बताकर एक बार फिर दुश्मनी का ही परिचय दिया है। दिल्ली मे होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन में भारत आने से ठीक पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने द्विपक्षीय संबंधों की अहमियत को मानो एकदम से नकार दिया है। चीन की भारत विरोधी नीति कोई नई नहीं है। आजादी के तुरंत बाद 1952 से चीन भारत के साथ टकराव के रास्ते पर चल रहा है। कई बार एलएसी का उल्लंघन कर चुकी पीपल्स लिबरेशन आर्मी ऑफ चाइना यह साफ कहती है कि ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत और तिब्बत के बीच सीमा तय करने वाली मैकमोहन लाइन को वह नहीं मानती। पीएलए के लिए चीन की सीमा वही है तो 12वीं और 13वीं सदी में थी।

चीन अपनी विस्तारवादी नीति के प्रति इतना आग्रही है कि उसकी सीमा से जुड़े 14 देशों के साथ सीमा विवाद चल रहा है। भारत कोई अपवाद नहीं है, बल्कि ताइवान के बाद सबसे ज्यादा आक्रामक रवैया उसका नई दिल्ली के प्रति ही है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद चीन को अपने इस अभियान में रूकावट लगने लगी है। क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ना सिर्फ दक्षिण एशिया में चीन के वर्चस्व को रोकने में सफल रहे हैं, बल्कि अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जर्मनी और जापान के साथ एक मजबूत साझेदारी कर चीन के आर्थिक साम्राज्य को भी चुनौती दे रहे हैं। ऐसे में शी जिनपिंग के लिए यह दौर काफी कठिन है। एक तरफ कोविड के बाद से चीन की आर्थिक प्रगति बाधित हो रही है, चीनी कंपनियों का दिवाला निकल रहा है। बड़े निवेशक चीन से भाग रहे हैं और चीनी निर्यात में भारी गिरावट आई है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने ताइवान में चीन की नाक में दम किया हुआ है। क्वाड के जरिए भारत, जापान, आस्ट्रेलिया और अमेरिका ने चीन को साउथ चाइना सी में नकेल कस दी है। अब तो फिलिपींस भी चीन के समुद्री बेड़ों को ललकार लेता है।

चीन को भारत ने उसके क्षेत्र में घेरने की सफल रणनीति अपनाई है। वरिष्ठ रक्षा विश्लेषक और प्रोफेसर डेरेक ग्रॉसमैन का कहना है कि चीन के सभी आक्रामक प्रयासों के बावजूद नरेंद्र मोदी की सरकार ने दक्षिण एशिया के महत्वपूर्ण क्षेत्र में बीजिंग को पीछे धकेल दिया है। ग्रॉसमैन के अनुसार कुछ समय पहले तक बीजिंग ने हिंद महासागर के सात प्रमुख बंदरगाहों तक अपनी पहुंच हासिल कर भारत के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर दी थी। पाकिस्तान में ग्वादर, श्रीलंका में हंबनटोटा और बांग्लादेश में चटगांव जैसे बंदरगाहों पर चीनी प्रभुत्व के कारण भारत के चारों ओर खतरा मंडरा रहा था। लेकिन भारत ने धीरे धीरे चीन की इस बढ़त को काफी हद तक रोक दिया है। इस समय भारत के मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के साथ मजबूत संबंध हैं और बांग्लादेश भी चीन के साथ संबंधों में सतर्कता बरत रहा है। पाकिस्तान को छोड़ दें तो भारत ने अपनी स्थिति अफगानिस्तान तक काफी मजबूत बना ली है। चीन ने अफगानिस्तान में पैठ बनाने की की बड़ी कोशिश की, लेकिन तालिबान गुप्त रूप से इस्लामी चरमपंथी समूहों के जरिए चीन को भारी आर्थिक व मानवीय नुकसान पहुंचा रहे हैं। पिछले दो साल में ग्वादर से लेकर काबुल तक एक दर्जन से ज्यादा हमले चीनी अधिकारियों व उनकी परियोजनाओं पर हुए हैं। इस्लामिक चरमपंथी चीन के शिनजियांग प्रांत पर अपना दावा करते हैं और हमले करने के लिए हर दम तैयार रहते हैं।

ऐसे में चीन का घाव आने वाले दिनों में भरने वाला नहीं बल्कि बड़ा होने वाला है, खासकर आर्थिक मोर्चे पर। चीन में काम कर रहे विदेशी निवेशकों में खलबली मची है। चीन के लिए यह बर्दाश्त करना मुश्किल है कि अप्रैल जून की इस अवधि में उसके प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 87 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। इस अवधि में चीन को केवल 4.9 अरब डॉलर के विदेशी निवेश प्राप्त हुए हैं। ऐसे में इस समय अमेरिका के साथ जो भी देश रणनीतिक साझेदारी में है, सबके साथ चीन एक दुश्मनी का भाव रख रहा है। भारत को वह तो अमेरिका का पिट्ठू तक बता रहा है।

जी 20 की बैठक में भाग लेने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले सप्ताह नई दिल्ली आ सकते हैं। यदि वो आते हैं तो जाहिर है अरुणाचल प्रदेश, अक्साई चीन और एलएसी पर चीन की धृष्टता को ध्यान में भारतीय पक्ष रखेगा ही। बहुत हद तक संभव है कि चीन इस बार भी यह रुख अपनाए कि सीमा विवाद को परे रखकर भारत व्यापार और अन्य मुद्दों पर चीन के साथ सहयोग बढ़ाए। मजबूत व्यापार संबंध होने के बाद भी अगर चीन अपनी विस्तारवादी नीति को नहीं छोड़ रहा है तो भारत भी अपनी व्यापारिक निर्भरता बदल रहा है। चीन को उसकी भाषा में समझाना जरूरी भी है।

हिन्द स्वराज्य

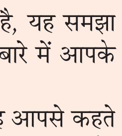

हिन्दुस्तान की दशा-1

प्रश्न- हिन्दुस्तान अंग्रेजों के हाथ में क्यों है, यह समझा जा सकता है। अब मैं हिन्दुस्तान की हालत के बारे में आपके विचार जानना चाहता हूँ।

उत्तर- आज हिन्दुस्तान की रंक दशा है। यह आपसे कहते हुए मेरी आँखों में पानी भर आता है और गला सूख जाता है। यह बात मैं आपको पूरी तरह समझा सकूँगा या नहीं, इस बारे में मुझे शक है। मेरी पक्की राय है कि हिन्दुस्तान अंग्रेजों से नहीं, बल्कि आजकल की सभ्यता से कुचला जा रहा है, उसकी चपेट में वह फँस गया है। उसमें से बचने का अभी भी उपाय है, लेकिन दिन-ब-दिन समय बीतता जा रहा है। मुझे तो धर्म प्यारा है; इसलिए पहला दुःख मुझे यह है कि हिन्दुस्तान धर्मभ्रष्ट होता जा रहा है। धर्म का अर्थ मैं यहाँ हिन्दू, मुस्लिम या जरथोस्ती धर्म नहीं करता। लेकिन इन सब धर्मो के अंदर जो धर्म है वह हिन्दुस्तान से जा रहा है; हम ईश्वर से विमुख होते जा रहे हैं।

प्रश्न- सो कैसे?

उत्तर- हिन्दुस्तान पर यह तोहमत है कि हम आलसी हैं और गोरे लोग मेहनती और उत्साही हैं। इसे हमने मान लिया है। इसलिए हम अपनी हालत को बदलना चाहते हैं। हिन्दू, मुस्लिम, जरथोस्ती, ईसाई सब धर्म सिखाते हैं कि हमें दुनियावी बातों के बारे में मंद और धार्मिक बातों के बारे में उत्साही रहना चाहिए। हमें अपने दुनियावी लोभ की हद बाँधनी चाहिए और धार्मिक लोभ को खुला छोड़ देना चाहिए। हमारा उत्साह धार्मिक लोभ में ही रहना चाहिए।

क्रमशः ...

कठिनाई का डटकर मुकाबला करें, सफलता कदम चूमेगी : राष्ट्रपति मुर्मु

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में पहुँची, 2946 छात्र-छात्राओं को उपाधि की प्रदान, चंद्रयान मिशन की तरह ही जीवन को भी देखें

बिलासपुर। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने तथा विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करने पहुँची राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने चंद्रयान मिशन के माध्यम से जीवन की सफलताओं के सूत्र बताए। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के चंद्रयान ने चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग की। इस पर बरसों से निष्ठापूर्वक काम होता रहा। मार्ग में रूकावटें आती रहीं लेकिन हम नहीं रूके। ऐसा व्यक्तिगत जीवन में भी होता है। निरंतर दक्षता के साथ परिश्रम करते रहें तात्कालिक सफलता से कभी हताश न हो, चुनौतियाँ हमारे जीवन में आती हैं तो नये मौके भी लाती हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने इस अवसर पर 2946 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। समारोह में राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

जय जोहार के साथ अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए राष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हमारा तिरंगा चाँद पर पहुँच चुका है, यह ऐतिहासिक उपलब्धि का विषय है। इस उपलब्धि को किस तरह वैज्ञानिकों ने प्राप्त किया। इस संबंध में विश्वविद्यालय में आयोजन होने चाहिए ताकि समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण यानी साइंटिफिक टेंपर का निर्माण हो सके। यह संविधान के मूल कर्तव्यों में शामिल है। मुझे खुशी है कि इस विश्वविद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाएं हैं। यहाँ ऐक्सलरेटर आधारित रिसर्च सेंटर भी स्थापित की गई है। अपने अनुसंधान से यह विश्वविद्यालय दुनिया में अपनी पहचान बनाएं। जो देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाने में आगे रहेंगे, वे ज्यादा तरक्की करेंगे। हमारे स्पेस मिशन में हमें दुनिया से कुछ असहयोग का सामना भी करना पड़ा, फिर भी हम दृढ़ता से बढ़ते रहे।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसका नाम गुरु घासीदास के नाम पर है। उन्होंने मनखे मनखे एक समान का संदेश दिया। गुरु घासीदास ने समानता का संदेश दिया। समानता के आदर्शों पर चलकर ही युवा सुख के रास्ते पर चल सकते हैं और सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं।

इस मौके पर राष्ट्रपति ने स्वामी विवेकानंद को भी याद किया। उन्होंने कहा कि रायपुर का हवाई अड्डा स्वामी विवेकानंद के नाम पर है। वे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ खेलकूद को भी महत्व देते थे। स्वामी जी आत्मविश्वास की मूर्ति थे। स्वामी जी ने शिकागो में भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता का विश्वघोष किया था। उस समय भारत में गुलामी की मानसिकता अपने चरम पर थी। एशिया के लोग हीनता की भावना से ग्रस्त थे। ऐसे वातावरण में विवेकानंद ने भारत का नाम बढ़ाया। युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे खुशी है कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 76 विद्यार्थियों में 45 छात्राएं हैं जो कुल संख्या का लगभग 60 प्रतिशत है। विश्वविद्यालय में 47 प्रतिशत छात्राएं पढ़ रही हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह बड़ा कदम है। देश की आधी आबादी महिलाओं की है। इन्हें सशक्त करने से देश और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के आसपास के क्षेत्र में आदिवासी समुदाय काफी है। राज्य की एक तिहाई आबादी जनजातीय है। जनजातीय समुदाय के प्रति संवेदनशीलता और महिलाओं की भागीदारी जैसे विषय बहुत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय द्वारा इस संबंध में अच्छा कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने उपाधि

समारोह के मौके पर उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि के लिए उनके अभिभावकों तथा विश्वविद्यालय के टीचिंग स्टाफ के योगदान को भी रेखांकित किया।

शिक्षा हमें संस्कारित और अनुशासित बनाती है : राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन

इस मौके पर अपने संबोधन में राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह एक गरिमामय समारोह है जो आपकी कड़ी मेहनत को मान्यता देता है और साथ ही आपके लिए एक जिम्मेदारी भी लेकर आता है। आपको जीवन के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने के साथ-साथ नई चीजें सीखने के कई अवसर मिलेंगे। इस चरण के दौरान आप मूल्यों को आत्मसात करेंगे और क्षमताओं का विकास करेंगे। शिक्षा हमें संस्कारित तो बनाती ही है, अनुशासित भी बनाती है। यह हमें समाज में पद, धन और प्रतिष्ठा दिलाने में भी मदद करती है। जब आप इन चीजों को हासिल करते हैं, तो इसके साथ ही यह एक इंसान के रूप में विकसित होने में भी मदद करती है। इस मौके पर राज्यपाल ने स्वतंत्रता संग्राम की विभूतियों के ऐतिहासिक योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध कठिन संघर्ष कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने हमें आजादी दिलाई है। हमें कठोर परिश्रम कर अपना जीवन हाशिये पर पड़े लोगों के कल्याण के लिए काम करना है। यही सच्ची सेवा है।

कठोर परिश्रम के बल पर स्वयं को स्वर्ण पदकों हेतु योग्य सिद्ध किया है : मुख्यमंत्री बघेल

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि आप सभी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने अपने कठोर परिश्रम मेधा और अनुशासन के बल पर स्वयं को उपाधियों एवं स्वर्ण पदकों हेतु योग्य सिद्ध किया है। यह विश्वविद्यालय हमेशा ज्ञान का प्रकाश रहा है। हमारा प्रदेश हमेशा समृद्ध रहा है। यहां पुरखों के आशीर्वाद से उत्कृष्ट मानवीय मूल्यों पर हमारा प्रदेश आगे बढ़ रहा है। हमारे यहां प्रचुर संसाधन हैं, समृद्ध जैव विविधता है, सघन वन हैं, सुंदर प्रकृति है, सुंदर जनजीवन है, उत्कृष्ट मानवीय मूल्य हैं। हम युवाओं को लगातार आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। हमने 42 हजार पदों पर भर्ती की। रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के जरिए हमने रोजगार, स्व-रोजगार और उद्यम दिए हैं। हम बेरोजगारी भत्ता भी प्रदान कर रहे हैं, ताकि युवाओं को आर्थिक मजबूती मिल सके और वे अच्छे भविष्य की तैयारी कर सके। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गुरु घासीदास जी का भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि मनखे मनखे एक समान का संदेश देकर उन्होंने समतामूलक समाज के लिए कार्य किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री आलोक कुमार चक्रवाल ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की विविध उपलब्धियों का ब्योरा समारोह में रखा।

समारोह में विशेष अतिथि के रूप में केंद्रीय जनजाति विकास राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह मौजूद रहीं। साथ ही उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल, नगर निगम बिलासपुर के महापौर श्री रामशरण यादव, बिलासपुर सांसद श्री अरुण साव, दुर्ग सांसद श्री विजय बघेल, बिलासपुर विधायक श्री शैलेश पाण्डेय, तखतपुर विधायक श्रीमती रश्मि आशीष सिंह, बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक, बेलतरा विधायक श्री रजनीश सिंह, राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष श्री नन्द कुमार साय, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

संक्षिप्त समाचार

भरोसे के सम्मेलन में शामिल होने 8 को आएंगे मल्लिकार्जुन खड़गे

राजनांदगांव। भरोसे के सम्मेलन में शिरकत करने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मल्लिकार्जुन खडगे 8 सितंबर को राजनांदगांव आ रहे है। उनके आने की खबर लगते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के दौरे को लेकर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। यह सम्मेलन सोमनी क्षेत्र के ककरेल- न ठकुवा में आयोजित किया गया है। जिलाध्यक्ष भागवत साहू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के पहुंचने की पुष्टि करते कहा कि विधानसभा चुनाव से पूर्व भरोसे के सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

वन नेशन, वन इलेक्शन को टीएस सिंहदेव का समर्थन, कमलनाथ का विरोध

रायपुर। वन नेशन-वन इलेक्शन पर नेता और पार्टी में एक राय नहीं बन पा रही है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए वन नेशन, वन इलेक्शन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत स्तर मैं एक देश एक चुनाव का स्वागत करता हूं। यह नया नहीं, पुराना ही आइडिया है।कई दिनों से ये मामला देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने बताया कि इसके दो दृष्टिकोण हो सकते हैं। एक तात्कालिक और दूसरा दूरगामी राजनीतिक प्रभाव देखा जा सकता है। उधर वन नेशन वन इलेक्शन यानि एक देश, एक चुनाव पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमल नाथ ने कहा कि इसके लिए सिर्फ संविधान में संशोधन की ही नहीं बल्कि राज्यों की मंजूरी की भी जरूरत है। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ के अनुसार हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे भाजपा शासित राज्यों में वे अपनी संबंधित विधानसभाओं को भंग करने के लिए कैबिनेट में एक प्रस्ताव तय कर सकते हैं और पारित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप किसी राज्य विधानसभा की अवधि कम नहीं कर सकते।

पॉवर कंपनी से ईडी चावड़ा व सीई चेलकर की विदाई, पीएस रेड्डी भी हुये सेवानिवृत्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से कार्यपालक निदेशक श्री डी.के.चावड़ा एवं जनरेशन कंपनी से सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता (टी.एण्ड क्यू.ए.) श्री शिवप्रसाद चेलकर को कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती उज्जवला बघेल एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी श्री मनोज खरे ने उन्हें प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। प्रबंध निदेशकों ने श्री चावड़ा एवं श्री चेलकर की उत्कृष्ट कार्यशैली और सहज व्यवहार की प्रशंसा की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त ईडी श्री चावड़ा एवं सीई श्री चेलकर ने अपने कार्य अनुभव बताते हुए अपनी सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया तथा सेवायात्रा के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार अन्य कार्यक्रमों में एमडी (जनरेशन) में निज सहायक श्री वाई.आर.रेड्डी को भी भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक(जनसम्पर्क) श्री गोविंद पटेल एवं सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी द्वारा किया गया।

सीतापुर में स्थानीय विधायक बनाने की उठी मांग, अपना किला बचा पाएगी कांग्रेस?

सरगुजा। जिले की सीतापुर विधानसभा सीट से 4 बार के विधायक और सरकार में मंत्री अमरजीत भगत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यह सीट कांग्रेस का अभेद किला मानी जाती है। क्योंकि आजादी के बाद से लेकर अब तक कभी भी यहां भाजपा अपना खाता नहीं खोल पाई है। हालांकि 3 बार निर्दलीय उम्मीदवारों यहां से चुनाव जीता है। इसे छोड़ हर बार यहां से कांग्रेस का ही प्रत्याशी चुनाव जीतता है।

इस बार के विधानसभा चुनाव में इस सीट की स्थिति संशय में है। क्योंकि परंपरागत रूप से यह सीट कांग्रेस की है। जातिगत समीकरण भी कांग्रेस के ही पक्ष में हैं। लेकिन क्षेत्रवाद को लेकर यहां चर्चा है कि अमरजीत भगत सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के निवासी नहीं हैं। ऐसे आरोप भी लग रहे हैं कि उनके कार्यकाल में सीतापुर क्षेत्र के स्थनीय नेताओं को महत्व नहीं मिला। इन चर्चाओं और आरोपों का सीधा असर चुनाव में देखने को मिल सकता है। यहां तक कि कांग्रेस को इस सीट पर नुकसान भी हो सकता है।

भाजपा ने किया जीत का दावा- भाजपा नेता और

सीतापुर प्रभारी प्रशांत त्रिपाठी कहते हैं, भाजपा वहां से कभी जीत नहीं पाई है। लेकिन वर्तमान स्थितियां जो है, उसमें सीतापुर के गांव गांव में इस बात का दर्द है कि वहां के स्थानीय नेताओं को कोई लाभ मिला नहीं है। 20 साल में उस क्षेत्र के लोग उसी स्थिति में हैं, लाभ किसको मिला, जो वर्तमान विधायक और मंत्री हैं। उनके आसपास के लोगों को भी मिला। वहां के लोगों का अहित हुआ। इस बार बीजेपी सीतापुर में बूथ और शक्ति केन्द्र से लेकर मंडल तक खूब मेहनत कर रही है। यहां जातिगत समीकरण ऐसे हैं कि हम वहां थोड़े पिछड़ जाते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में भाजपा जातिगत समीकरण से आगे जा चुकी है। उन्होंने कहा मैं देख रहा हूं कि सीतापुर के लोग किसी भी कीमत में अमरजीत भगत को विधायक के रूप में देखना नहीं चाहते हैं। कांग्रेस में 18 उम्मीदवार और खड़े हुए हैं। वो इसलिए खड़े हुए हैं कि स्थानीय लोगों को अमरजीत भगत से तो कोई लाभ है नहीं। निश्चित तौर पर यहां से बीजेपी ही चुनाव जीतेगी। हम सीतापुर से ऐसा चेहरा देने वाले हैं, जिसके सामने वर्तमान विधायक या कांग्रेस का और कोई भी प्रत्याशी नहीं टिकेगा।

भाजपा के दावे पर कांग्रेस का तंज- कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता कहते हैं, सीतापुर से 18 लोगों ने दावेदारी की है। कांग्रेस में लोकतंत्र है, तो दावेदारी सामने आनी भी चाहिये। लोग अपने समर्थकों के साथ उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के पास आ रहे हैं, ताकि उनके समर्थक को टिकट मिल जाये। यहां कांग्रेस का अच्छा माहौल है। यहां से कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतती है। भाजपा का खाता भी वहां नहीं खुला है। उन्होंने कहा भाजपा पहले प्रदेश नेतृत्व का चेहरा तो खोज ले, फिर वो सीतापुर में कैंडिडेट का चेहरा खोजने का प्रयास करें। भाजपा क्योंकि राष्ट्रीय पार्टी हैं, तो वो अपना प्रत्याशी उतारेगी ही। लेकिन सीतापुर हम लोग रिकॉर्ड मतों से जीते हैं और इस बार भी कांग्रेस अपने हिसाब से वहां तैयारी कर रही है। इस बार भी हम वहां चुनाव जीतेंगे।

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं, अभी तक हुए 15 विधानसभा चुनाव में से 12 कांग्रेस जीती है। 3 चुनाव यहां कांग्रेस हरी है, लेकिन वो निर्दलीय उम्मीदवार थे। कांग्रेस की स्थिति यहां खराब नहीं हैं, लेकिन थोड़ी सत्ता विरोधी लहर अमरजीत भगत के खिलाफ है।

सरगुजा की सीतापुर विधानसभा सीट पर कभी भी जन संघ, जनता पार्टी या भाजपा को जीत नहीं मिल सकी। देश की आजादी के बाद 1952 में हुए पहले विधानसभा चुनाव से अब तक यहां कभी भाजपा नहीं जीत सकी। अब तक हुए 15 विधानसभा चुनाव में से 3 बार यहां निर्दलीय प्रत्याशी जीते, तो 12 बार कांग्रेस में जीत दर्ज की है। भाजपा का स्कोर यहां शून्य रहा है। 1952 में सीतापुर से निर्दलीय प्रत्याशी हरिभजन विधायक बने। 1990 में निर्दलीय प्रत्याशी राम खेलावन और 1998 सीतापुर से निर्दलीय प्रत्याशी प्रो। गोपाल राम विधायक चुने गये।

पद्मश्री उषा बारले व जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष वर्मा भाजपा में हुए शामिल

दुर्ग। सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका एवं पद्मश्री अलंकरण से सम्मानित उषा बारले ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया की मौजूदगी में भाजपा प्रवेश किया। जिला भाजपा कार्यालय दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में पद्मश्री उषा बारले को भगवा गमछा पहनाकर प्रवेश दिलाया गया। इसके अलावा पाटन विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता व जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मेहत्तर वर्मा ने भी भाजपा प्रवेश किया।

गुरुवार को दुर्ग प्रवास पर जिला भाजपा कार्यालय पहुंचे केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने दुर्ग जिला समन्वय समिति की बैठक ली। इसके बाद केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों से चर्चा की। अंत में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा का भाव रखकर भाजपा और उसके कार्यकर्ता काम करते हैं, ऐसे संस्कारों वाला देश में कोई दूसरा राजनीतिक दल नहीं है। उन्होंने कहा कि टिकट किसी को भी मिले भाजपा को जीताने के लिए

काम करना है। कार्यक्रम को भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यभ सरोज पांडेय और दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने भी संबोधित किया। इधर भिलाई जिला भाजपा के अध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया के नेतृत्व में करीब 35 लोगों ने भाजपा प्रवेश किया जिसमें वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डाक्टर और युवा सहित समाजों के प्रमुख शामिल हुए। आपको बता दे कि उषा बारले अनुसूचित जाति वर्ग से आती हैं तो वहीं दुर्ग जिले में अहिवारा विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। फिलहाल अहिवारा से उषा बारले को टिकट देने की संभावना भी बन चुकी है।

कांकेर में विधायक शिशुपाल के खिलाफ लगे पोस्टर

■ केबीसी के तर्ज पर पूछे सवाल

कांकेर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने प्रत्याशियों की घोषणा की है। जिसमें कांकेर विधानसभा भी शामिल है। लिहाजा कांकेर में चुनावी संग्राम से पहले पोस्टर वार शुरु हो चुका है। कई जगहों पर मौजूदा विधायक शिशुपाल सोरी के पोस्टर लगाकर उन पर सवालों से हमला किया गया है। इस पोस्टर में केबीसी की तर्ज पर मौजूदा विधायक से सवाल पूछकर चार ऑप्शन दिए गए हैं।इस ऑप्शन के नीचे भारतीय जनता पार्टी विधानसभा कांकेर लिखा हुआ है।

कांग्रेस विधायक ने कसा तंज- इन पोस्टर्स को लेकर जब विधायक शिशुपाल सोरी से जवाब मांगा गया तो उन्होंने मौजूदा बीजेपी प्रत्याशी को इसके लिए जिम्मेदार माना है।शिशुपाल सोरी के मुताबिक बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। जब से बीजेपी ने प्रत्याशी घोषित किया है,तब से इस तरह की हरकतें हो रही है।जो उनकी निराशा को दिखा रहा है। उन्होंने कहा पोस्टर उनके अंदर जो हीन भावना है उसे उजागर करता है। मुद्दाविहीन व्यक्ति जब निराश हो जाता है तो इसी तरह की हरकतें करता है। इसका जवाब जनता देगी मैं क्या जवाब दूंगा।बीजेपी ने 15 साल में कांकेर में एक ईंट तक नहीं रखी थी।आज जब काम हो रहा तो उन्हें दर्द हो रहा है।

वहीं बीजेपी ने पोस्टर के बारे में कहा है कि जो भी सवाल पोस्टर के माध्यम से पूछे गए हैं वो सभी जनता से संबंधित हैं। आज साढ़े चार में कांकेर में कोई भी काम नहीं हुआ है।विधायकजी से पब्लिक ये सारे सवाल पूछ रही है।मिनी स्टेडियम अधूरा है, दूध नदी में रिटर्निंग वाल नहीं है, रोड नहीं बने हैं।जिसके कारण हर वर्ग परेशान है।वहीं बीजेपी प्रत्याशी पर लगे आरोपों को लेकर बीजेपी महामंत्री दिलीप जायसवाल ने विधायक पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा जिस प्रत्याशी को कांकेर विधानसभा में टिकट दिया गया है विधायक जी को गलत जानकारी है।

वो हमारे अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं। सक्रिय कार्यकर्ता हैं।लगातार चुनाव में टिकट की मांग करते रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने गरीब किसान को टिकट दिया है। किसी को भी कोई नाराजगी नहीं है।

चुनाव से पहले चढ़ा सियासी पारा- चुनाव में भले ही कुछ महीने बचे हो।लेकिन जिन विधानसभाओं में बीजेपी ने प्रत्याशी घोषित किए हैं।वहां तो सियासी पारा चढ़ने लगा है।कांकेर में पोस्टर से बीजेपी ने कांग्रेस विधायक पर सीधा हमला बोला है।लिहाजा विधायक ने भी प्रत्याशी समेत बीजेपी को मुद्दाविहीन बताते हुए घेरा है।विधायक का दावा है कि जो भी सवाल बीजेपी ने पूछे हैं उसका जवाब आने वाले चुनाव में जनता ही देगी।वहीं बीजेपी की माने तो जिस प्रत्याशी के बारे में नाराजगी की बात विधायक कह रहे हैं,उसे कांकेर का हर एक शख्स जानता है।

बैकुंठपुर विधानसभा में इस बार किनके बीच होगी टक्कर ?

कोरिया। कोरिया जिले की बैकुंठपुर विधानसभा सीट हमेशा से ही चर्चा में रही है। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर इस क्षेत्र की राजनीतिक विरासत भी समृद्ध है। क्षेत्र में राजघराने का वर्चस्व रहा है। राजनीति में भी इनकी तूती बोलती है। यही कारण है कि कोरिया नरेश डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र से सर्वाधिक 6 बार चुनाव जीतकर विधायक बने थे। वर्तमान में उनकी भतीजी अंबिका सिंहदेव बैकुंठपुर से विधायक हैं।

बैकुंठपुर विधानसभा सीट में राजघराने का बड़ा हस्ताक्षेप होता है। लेकिन कोरिया कुमार के राजनीति से संन्यास लेने के बाद बीजेपी ने जीत का परचम लहराया था। वहीं कोरिया कुमार की मृत्यु के बाद उनकी भतीजी अम्बिका सिंहदेव ने 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की। इस विधानसभा से ही पूर्व मंत्री भईयालाल राजवाड़े दो बार विधायक रहे हैं। इस लिहाज से यहां जिला विभाजन, विकास और स्थानीय मुद्दों को लेकर 2023 विधानसभा चुनाव में काफी गहमा-गहमी भरा चुनावी संग्राम होने के आसार है। बैकुंठपुर विधानसभा में 1 लाख 63 हजार 456 मतदाता हैं। पुरुष मतदाता की संख्या 82 हजार 274 है। महिला मतदाता की संख्या 81 हजार 176 है। वहीं थर्ड जेंडर 06 और दिव्यांग मतदाता 1296 हैं।

2018 का चुनावी परिणाम- साल 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने बैकुंठपुर सीट से रामचंद्र सिंहदेव की भतीजी अंबिका सिंहदेव को मैदान में उतारा था। जिन्होंने बीजेपी के कद्दावर नेता भईयालाल राजवाड़े को चुनाव में शिकस्त दी थी। अंबिका सिंहदेव को इस चुनाव में 48 हजार 885 मत मिले थे। जबकि भैयालाल राजवाड़े को 43 हजार 546 ही मत हासिल हुए थे। 5339 मतों से अंबिका सिंहदेव ने चुनाव जीता। जिन्हें सरकार ने बाद में संसदीय सचिव भी बनाया।इस विधानसभा में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के संजय सिंह कमरो को 20 हजार 247 मत मिले थे।

राजपरिवार का सीट पर है दबदबा- बैकुंठपुर विधानसभा सीट में हमेशा से ही राजपरिवार का दबदबा रहा है। कांग्रेस के डॉ रामचंद्र सिंहदेव 1967, 1972, 1990, 1993, 1998 और 2003 में कुल छह बार इस सीट से विधायक चुने गए। 1980 में हुए विधानसभा के चुनाव में देवेंद्र कुमारी कांग्रेस से चुनाव जीती थीं। जबकि 2018 में अंबिका सिंहदेव ने जीत दर्ज की। इस सीट पर 13 बार चुनाव हुए हैं। जिसमें आठ बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है। कांग्रेस ने यहां से जब भी राजपरिवार का टिकट काटकर अन्य दावेदार को मैदान में उतारा वो चुनाव हार गई। 2008 और 2013 के चुनाव में कांग्रेस ने वेदांती तिवारी को टिकट दिया। लेकिन वेदांती तिवारी भैयालाल रजवाड़े से हार गए। लेकिन साल 2018 में अंबिका सिंहदेव को प्रत्याशी बनाते ही इस सीट की तस्वीर बदल गई।अंबिका सिंहदेव ने अपने पहले ही चुनाव में तत्कालीन मंत्री भैयालाल राजवाड़े को चुनाव हरा दिया।यहां राजपरिवार का वर्चस्व कांग्रेस संगठन में भी है। इसलिए राजपरिवार को कभी हार का सामना नहीं करना पड़ा। बैकुंठपुर पैलेस और राजपरिवार यहां की मुख्य पहचान है।

कांग्रेस से कौन है दावेदार - बैकुंठपुर सीट पर वर्तमान विधायक अंबिका सिंहदेव के अलावा पूर्व विधायक प्रत्याशी वेदांती तिवारी, अशोक जायसवाल और योगेश शुक्ला भी विधायकी के लिए दावेदारी कर रहे हैं। हालांकि पार्टी सूत्रों की मानें तो एक बार फिर कांग्रेस अंबिका सिंहदेव को अपना उम्मीदवार बना सकती है।

भाजपा से कौन हैं दावेदार - 2023 विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की बात करें तो पूर्व मंत्री भईयालाल राजवाड़े ही प्रबल दावेदार हैं। हालांकि शैलेश शिवहरे, देवेन्द्र तिवारी और लक्ष्मण राजवाड़े भी टिकट के लिए जोर अजमाइश लगा रहे हैं।

मुद्दे और समस्याएं- जिले के सबसे बड़े जिला अस्पताल बैकुंठपुर में केवल सर्दी-खांसी समेत थोड़ी बहुत बीमारियों का चेकअप हो पाता है। हाई टेक सुविधाएं अब तक नहीं पहुंच सकी है। सिटी स्कैन की सुविधा भी चालू नहीं है। अस्पताल में डॉक्टरों की कमी है। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी हवाई पट्टी के लिए अब तक भूमि का चयन न होना। पटना को नगर पंचायत का दर्जा न मिल पाना।पटना में जिला सहकारी बैंक का लाभ लोगों को ना मिलना समेत जिला विभाजन जैसे मुद्दे विधानसभा चुनाव में हावी रहेंगे।

दोनों ही पार्टियां के लिए मुश्किल- वहीं दोनों ही पार्टी में गुटबाजी चरम पर है। टिकट लेने की होड़ मची मची हुई है। पार्टियों को गुटबाजी से दूर रहकर चुनाव लड़ना एक बड़ी चुनौती है।हाल ही में हुए जिला पंचायत के उप चुनाव में पूर्व विधायक राजवाड़े की बहू ने 13 हजार मतों से जीत हासिल की थी।कई ग्राम पंचायत में कांग्रेस प्रत्याशी का खाता भी नहीं खुला जो कि कांग्रेस के अंदर गुटबाजी का परिणाम था। अब भी कांग्रेस के अंदर विधानसभा में गुटबाजी हावी है। वहीं बीजेपी के अंदर अभी से टिकट पाने के लिए दावेदार सामने आ रहे हैं। जो कहीं ना कहीं टिकट नहीं मिलने पर विरोध कर सकते हैं।

इंस्टाग्राम पर अल्लू अर्जुन ने शेयर की पुष्पा : द रूल के सेट की झलक, बताया अपना डेली रुटीन

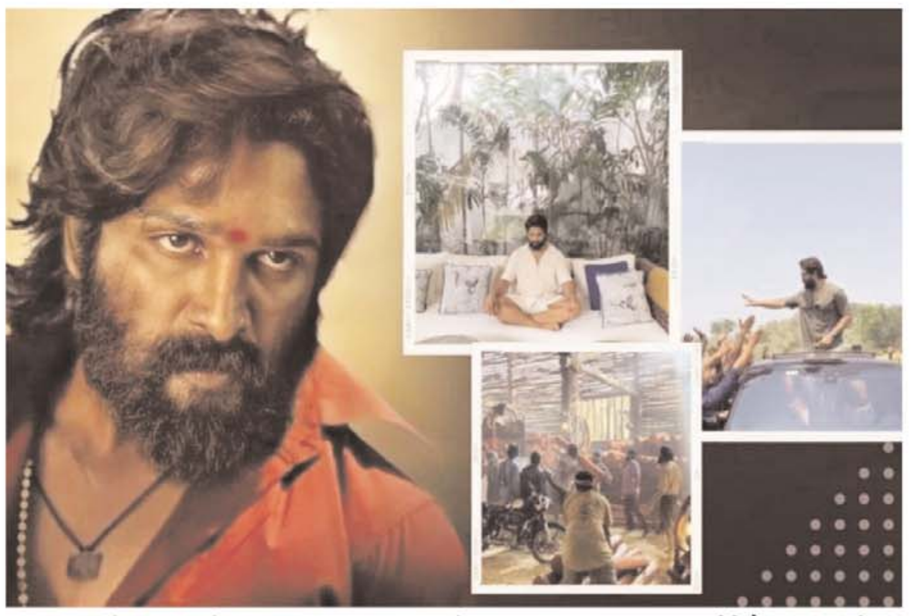

इंस्टाग्राम ने हाल ही में साउथ सुपरस्टार और नेशनल अवॉर्ड विनर अल्लू अर्जुन के साथ कोलैबरेट किया है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ने बुधवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर अल्लू अर्जुन का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक्टर ने अपना डेली रूटीन बताया है। साथ ही अल्लू अर्जुन ने अपने घर, गार्डन और पुष्पाः द रूल के सेट की झलक भी साझा की है। इसी के साथ अल्लू अर्जुन इंडिया के पहले ऐसे स्टार बन गए हैं, जिसके साथ इंस्टाग्राम ने कोलैबरेट किया है।

इंस्टाग्राम ने किया अल्लू अर्जुन को फीचर

चर्चित वीडियो की शुरुआत अल्लू अर्जुन के घर से होती है। एक्टर बताते हैं कि वह आज अपने फैंस को पुष्पाः द रूल के सेट का वर्चुअल टूर कराएंगे। अल्लू अर्जुन कहते हैं कि वह नेचर के क्लोज रहना पसंद करते हैं, इसलिए वह सुबह का वक्त गार्डन में बिताते हैं। इसके बाद एक्टर अपनी कॉफी पीते हैं और अपनी कार से रामोजी फिल्म सिटी के लिए रवाना हो जाते हैं। इस दौरान अल्लू अर्जुन अपनी फैमिली से वीडियो कॉल पर बात करते हैं। इस दौरान उनकी बेटी फोन स्क्रीन पर दिखाई देती हैं।

इंडिया के फैंस पूरी दुनिया से अलग होते हैं: अल्लू अर्जुन

वीडियो में अल्लू अर्जुन कहते हैं- 'इंडिया के फैंस पूरी दुनिया से अलग होते हैं। मैं उनका प्यार शब्दों में एक्सप्लेन नहीं कर सकता। बातचीत करते-करते एक्टर रामोजी फिल्म सिटी में पहुंचते हैं, जहां शूटिंग की तैयार चल रही होती है। सेट के बाहर अल्लू अर्जुन के फैंस की भीड़ इकट्ठा होती है। एक्टर इस दौरान फैंस से मिलते हैं। अल्लू अर्जुन कहते हैं - 'ये फैंस ही मेरी मोटिवेशन हैं, जिनके कारण मैं अच्छा काम करने की कोशिश करता हूं।

अल्लू अर्जुन ने फैंस को दिखाई पुष्पा 2 के सेट की झलक

अल्लू अर्जुन इसके बाद पुष्पाः द रूल के सेट पर पहुंचते हैं। इस दौरान एक्टर अपने लिए कपड़े और कुल्हाड़ी सिलेक्ट करते हैं और वैनिटी में जाते हैं। वहां पर अल्लू अर्जुन को प्रोस्थेटिक्स के जरिए पुष्पा के लुक के लिए तैयार किया जाता है।

एक्टर ने वीडियो में पुष्पा के सेट की झलक भी दिखाते हैं, जहां वह फिल्म के किसी सीन की एक्टिंग करते नजर आते हैं। वीडियो में कास्ट और क्रू की झलक भी दिखाई गई है, जहां सभी मिलकर काम करते दिखाई देते हैं। अल्लू अर्जुन कहते हैं कि उन्हें पुष्पा के किरदार की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि वह कभी भी हार नहीं मानता है।

फैंस बोले- हमारा नेशनल एक्टर अब इंटरनेशनल एक्टर बन गया

सोशल मीडिया पर एक्टर का यह वीडियो खूब पसंद किया जा रहा है। कहा जा सकता है कि इस वीडियो ने पुष्पा के फैंस की एक्साइटमेंट को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। फैंस अल्लू अर्जुन के इस वीडियो पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- 'हमारे नेशनल स्टार अब इंटरनेशनल स्टार बन गए।' दूसरे फैन ने लिखा- पुष्पा 2 के लिए इंतजार नहीं कर सकता। तीसरे फैन ने कहा- 'वह अब ग्लोबल स्टार बन चुके हैं।'

शाहरुख ने सनी को फोन पर बधाई दी : गौरी और आर्यन ने भी बात की; सनी बोले- समय के साथ सब सही हो जाता है

ऐसा लगता है कि सनी देओल और शाहरुख खान की सालों पुरानी दुश्मनी खत्म हो गई है। शाहरुख खान ने गदर-2 देखने से पहले सनी देओल को फोन किया था। उन्होंने फोन पर सनी की काफी तारीफ की। शाहरुख की पत्नी गौरी और बेटे आर्यन ने भी उनसे बात की। यह खुलासा खुद सनी देओल ने किया है।

सनी के मुताबिक, शाहरुख ने उन्हें फोन किया और कहा कि आप यह सक्सेस डिजर्व करते हैं। जाहिर है कि 1993 में रिलीज हुई फिल्म डर के बाद दोनों में तल्खी हो गई थी। फिल्म में शाहरुख ने सनी के किरदार को ओवरशैडो कर दिया था। यह बात सनी को रास नहीं आई। इसके बाद से ही दोनों के बीच संबंध खराब हो गए।

शाहरुख ने सनी से कहा- आप इस सफलता के हकदार हैं

सनी देओल ने क्लियर कर दिया है कि अब उनके और शाहरुख के बीच कोई तल्खी नहीं है। उन्होंने कहा, 'शाहरुख खान ने गदर-2 देख ली है। फिल्म देखने से पहले उन्होंने मेरे पास फोन किया था। उन्होंने मुझे मुबारकबाद भी दी।

शाहरुख काफी ज्यादा खुश थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं आपके लिए बहुत ज्यादा खुश हूं। आपको जो मिल रहा है, आप इसके वास्तव में हकदार हैं। मैं उनका शुक्रिया अदा किया।'

गौरी और आर्यन ने भी सनी से बात की

सनी ने आगे कहा, 'शाहरुख के बाद मैंने उनकी वाइफ गौरी और बेटे आर्यन से भी बात की। उन्होंने कहा कि आज रात वे लोग गदर-2 देखने जा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने फिल्म देखी। मुझे लगता है कि शाहरुख ने फिल्म देखने के बाद कोई ट्वीट वगैरह भी किया था।'

सनी ने कहा- समय के साथ चीजें सही हो जाती हैं

सनी ने आगे कहा, 'समय के साथ सब कुछ सही हो जाता है। मैंने भी उन्हें कई बार कॉल किया है। हम कई विषयों पर बात करते हैं। पुरानी बातें अब खत्म हो गई हैं। अब हम लोग उस बात से आगे बढ़ चुके हैं। जिंदगी इसी का नाम है।'

फिल्म डर के बाद रिश्ते बिगड़े, 16 साल तक एक दूसरे से बात नहीं की

एक दौर ऐसा था, जब शाहरुख खान और सनी देओल के बीच बेरुखी की चर्चा इंडस्ट्री में आम थी। दोनों एक्टर्स ने एक दूसरे से 16 साल तक बात नहीं की।

बात 1993 की है, सनी और शाहरुख ने फिल्म 'डर' में पहली और आखिरी बार साथ काम किया था। यह फिल्म सुपरहिट रही लेकिन सनी फिल्म में अपने किरदार के चित्रण से खुश नहीं थे। सनी देओल इस फिल्म के डायरेक्टर यश चोपड़ा के साथ-साथ अपने को-स्टार रहे शाहरुख खान से भी नाराज हो गए। सनी को इस बात का मलाल था कि फिल्म में हीरो वे थे, लेकिन सारा लाइम लाइट विलेन बने शाहरुख ने लूट ले गए।

अमीषा के साथ नोक-झोक भरे रिश्ते पर बोले अनिल शर्मा : अमीषा बड़े घर की बेटी हैं, उनमें एटिट्यूड है..

गदर 2 इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर दमदार कलेक्शन कर रही है। इस बीच फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने एक्ट्रेस अमीषा पटेल के साथ अपने दोस्ती और अनबन को लेकर बात की। अनिल ने कहा कि अमीषा अमीर परिवार से आती हैं, इस कारण उनके अंदर एटिट्यूड है, इसके बावजूद वह दिल की अच्छी हैं। अनिल ने यह भी कहा कि जब उन्होंने अमीषा को गदरः एक प्रेम कथा के लिए कास्ट किया था, तब उनकी एक्टिंग कुछ खास नहीं थी। दरअसल गदर 2 की रिलीज से पहले अमीषा ने डायरेक्टर अनिल शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए थे। एक्ट्रेस ने दावा किया था कि शूटिंग के दौरान कास्ट और क्रू के लिए मेकर्स की तरफ से कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। एक्ट्रेस ने कहा था कि मेकर्स ने उन्हें फिल्म में काम करने के पैसे भी नहीं दिए। हालांकि, बाद में दोनों का झगड़ा खत्म हो गया।

अमीषा बड़े घर की बेटी हैं, उनका स्वभाव ऐसा ही हैः अनिल

बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में अनिल ने अमीषा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि किसी भी आर्टिस्ट को पैसा देना उनके हाथ में नहीं होता। उन्होंने कहा- 'मेरा रिश्ता कभी किसी के साथ खराब नहीं होता। बहस हुई, सब कुछ ठीक भी हो गया। पिछली गदर के दौरान भी उनसे बहस हो गई थी।

अनिल ने आगे कहा- 'अमिषा बड़े घर की बेटी हैं। उनका स्वभाव ऐसा है, लेकिन वह दिल की बुरी नहीं हैं। बड़े घर की बेटियों में थोड़ा एटिट्यूड होता है। हम लोग छोटे घर के लोग हैं, हम लोग प्यार मोहब्बत से रहते हैं। उनके अंदर एक अदा है, जो कभी-कभी गुस्से या बहस में बदल जाती है, लेकिन वह इंसान अच्छी हैं। जब हम पहली बार पहली फिल्म के लिए मिले थे तो हमारे बीच मतभेद थे। लेकिन अब वह ठीक हो गए।'

गदर के वक्त अमीषा बहुत अच्छी एक्ट्रेस नहीं थींः अनिल

फिल्म मेकर ने यह भी माना कि जब अमीषा को गदरः एक प्रेम कथा के लिए कास्ट किया गया था, तब वह बहुत अच्छी एक्ट्रेस नहीं थीं। उन्होंने कहा- 'सकीना के लिए मैं चांद जैसे चेहरे वाली एक्ट्रेस चाहता था, लेकिन तब अमीषा की एक्टिंग कमजोर थी। एक और लड़की थी, जिसे हमने कास्ट करने के बारे में सोचा था, उसकी एक्टिंग अच्छी थी। अमीषा एक बड़े परिवार से आती थीं, लुक उनपर फिट भी बैठ रहा था।'

सकीना के रोल के लिए अमीषा को लेनी पड़ी थी ट्रेनिंग

अनिल बोले- 'मुझे पता था हमें अमीषा को ट्रेनिंग देनी होगी। वह इस रोल के लिए ट्रेनिंग लेने के लिए तैयार भी हो गईं। वह चार या पांच घंटे के लिए मेरे पास आती थी। हम उनकी एक्टिंग पर काम करते थे। आखिरकार मैंने अमीषा को सकीना के किरदार में ढाल लिया, जिसे लोग आज भी याद करते हैं।'

काजोल ने मुंबई में खरीदा 7.64 करोड़ का ऑफिस

डेढ़ महीने पहले इसी बिल्डिंग में अजय देवगन ने किया था 45 करोड़ का इन्वेस्टमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने इसी साल अप्रैल में एक अपार्टमेंट खरीदा था। अब उन्होंने मुंबई में एक और प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट किया है। एक्ट्रेस ने अंधेरी वेस्ट में ऑफिस स्पेस खरीदा है, जिसकी कीमत 7.64 करोड़ रुपए है। मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक काजोल ने यह ऑफिस स्पेस जुलाई में खरीदा था। उन्होंने 28 जुलाई को एग्रीमेंट साइन किया था। ओशिवारा स्थित सिग्नेचर बिल्डिंग में मौजूद इस ऑफिस का कारपेट एरिया स्पेस 194.67 स्क्वायर मीटर है।

अजय ने खरीदा था 5 यूनिट ऑफिस स्पेस

खास बात यह है कि इसी बिल्डिंग में डेढ़ महीने पहले उनके पति अजय देवगन ने भी ऑफिस खरीदा था। 5 यूनिट ऑफिस वाली इस प्रॉपर्टी की कीमत 45 करोड़ रुपए थी। उन्होंने ओशिवारा स्थित सिग्नेचर बिल्डिंग के 16वें और 17वें फ्लोर पर ऑफिस स्पेस खरीदा था, जिसका टोटल स्पेस 13,293 स्क्वायर फीट है।

एक्ट्रेस ने अप्रैल में खरीदा था 16 करोड़ का अपार्टमेंट

इससे पहले अप्रैल में भी काजोल ने एक प्रॉपर्टी इन्वेस्टमेंट किया था। उन्होंने 16.50 करोड़ रुपए की कीमत वाला अपार्टमेंट खरीदा था। 2,493 स्कवायर फीट एरिया में फैले इस अपार्टमेंट के साथ उन्हें कार पार्किंग एरिया भी मिला था।

फिल्म 'दो पत्ती' में आएंगी नजर

प्रोफेशनल फ्रंट पर काजोल हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'लस्ट स्टोरीज 2' और 'द ट्रायल' में नजर आईं। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में 'सरजमीं' है, जिससे सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान डेब्यू करेंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस नेटफ्लिक्स की फिल्म 'दो पत्ती' में भी नजर आएंगी।

4 महीने प्रेग्नेंट हैं रुबीना दिलैक, अगले साल बेबी को जन्म देंगी एक्ट्रेस !

एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपनी पर्नसल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती है. पिछले कई दिनों से उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर खबरें आ रही थीं. दरअसल, रुबीना ने सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर की थी. फोटोज में फैंस ने एक्ट्रेस बेबी बंप स्पॉट किया. जिसके बाद से उनकी प्रेग्नेंसी की खबरें सोशल मीडिया पर छाने लगीं.

एक रिपोर्ट के अनुसार 'एक्ट्रेस चार महीने प्रेग्नेंट हैं. ये सच है कि रुबीना और अभिनव अपना फर्स्ट बेबी एक्सपेक्ट कर रहे हैं. रुबीना चार महीने प्रेग्नेंट हैं और अगले साल की शुरुआत में उनकी डिलीवरी होगी. रुबीना मदरहुड को लेकर बहुत खुश और एक्साइटेड हैं. कपल अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर प्राइवेट है. और इसी कारण से वो इस प्रेग्नेंसी को स्पॉटलाइट से दूर रखना चाहते हैं. और प्राइवेसी में इस नए फेज को एंजॉय कर रहे हैं. लाइमलाइट से दूर रहने का एक कारण ये भी था कि एक्ट्रेस लॉन्ग वेकेशन के लिए यूएस गई हैं.'

कुछ समय पहले, एक्ट्रेस को मैटरनिटी क्लिनिक के बाहर स्पॉट किया गया था.

मालूम हो कि रुबीना दिलैक की शादी एक्टर अभिनव शुक्ला के साथ हुई थी. दोनों अपनी शादीशुदा जिंदगी में काफी खुश हैं और एंजॉय कर रहे हैं. कपल ने बिग बॉस 14 में हिस्सा लिया था. इस शो में रुबीना ने खुलासा किया था उनके और अभिनव के बीच में अनबन चल रही थी. दोनों का रिश्ता इस मुकाम पर पहुंच गया था उन्होंने तलाक का फैसला कर लिया था. हालांकि, बिग बॉस ने दोनों की जिंदगी में अहम रोल निभाया और दोनों फिर साथ में आ गए.रुबीना दिलैक इस सीजन की विनर बनीं. उनकी स्ट्रॉन्ग पर्सनैलिटी को फैंस ने खूब सराहा था और प्यार दिया था.

एकता कपूर को मिलेगा इंटरनेशनल एमी डायरेक्टरेट अवॉर्ड : अवॉर्ड पाने वाली पहली भारतीय महिला बनेंगी

फिल्ममेकर एकता कपूर को 2023 में न्यूयॉर्क में 51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स सेरेमनी में इंटरनेशनल एमी डायरेक्टरेट अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। एकता कपूर ये सम्मान हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला होंगी। उन्हें इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री में उनके कंट्रीब्यूशन और को-फाउंडर के तौर पर बालाजी टेलिफिल्म्स प्रोडक्शन हाउस सेट-अप करने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

एमी डायरेक्टरेट अवॉर्ड की हकदार हैं एकता कपूरः ब्रूस एल पैस्नेर

इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज (IATAS) के सीईओ ब्रूस एल पैस्नेर ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा- एकता कपूर ने इंडिया में अपने प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलिफिल्म्स के जरिए लाखों लोगों का मनोरंजन किया है। साथ ही उन्होंने बालाजी टेलिफिल्म्स को टेलीविजन कंटेंट की दुनिया में इस मुकाम पर पहुंचाया है कि आज इनकी सीरियल्स टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर पूरे भारत और साउथ एशिया में पॉपुलर हैं।

पैस्नेर ने आगे कहा- एकता कपूर एमी डायरेक्टरेट अवॉर्ड की हकदार हैं। उन्हें ये अवॉर्ड देकर हम उनके शानदार करियर और टेलीविजन इंडस्ट्री पर उनकी अमिट छाप का सम्मान कर रहे हैं।

एकता कपूर ने अपने पिता जीतेंद्र कपूर और मां शोभा कपूर के साथ मिलकर 1994 में बालाजी टेलीफिल्म्स की शुरुआत की थी। एकता कपूर के पिता जीतेंद्र कपूर एक्टर और प्रोड्यूसर हैं जबकि शोभा कपूर मीडिया एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करती हैं। भारत में 1959 में सैटेलाइट टीवी इंडस्ट्री की शुरुआत के बाद एकता कपूर ने अपने शोज के जरिए टेलीविजन कंटेंट में काफी काम किया। बालाजी बैनर के अंडर उन्होंने 17,000 घंटों से ज्यादा समय तक रन करने वाले शोज और करीब 45 फिल्में प्रोड्यूस कीं। इस अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने को लेकर एकता कपूर ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा- मुझे बेहद खुशी और एक्साइटमेंट है कि मुझे ये अवॉर्ड मिलने जा रहा है। ये अवॉर्ड मेरे लिए बहुत खास है। ये न सिर्फ मेरे सफर का सबूत है बल्कि मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में भी खास अहमियत रखता है।

टीवी ने मुझे पहचान दिलाई है। मुझसे लोग कहते हैं कि मैं महिलाओं की कहानी सुनाती हूं, ये ही मेरी पहचान है और मुझे इस बात की खुशी है। मुझे खुशी है कि मैं इस ग्लोबल स्टेज से अपने देश को रिप्रेजेंट करने जा रही हूं। इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज 1973 से हर साल न्यूयॉर्क में टेलीविजन की दुनिया में आउटस्टैंडिंग टैलेंट को पहचानने और उन्हें सम्मानित करने के लिए इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स अनाउंस करती आ रही हैं। एकता कपूर का नाम फॉरच्यून इंडिया लिस्ट में एशिया में सबसे पॉवरफुल 50 महिलाओं में भी शुमार है।

इसके अलावा एकता इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री से जुड़ी इकलौती महिला हैं जिन्हें वैरायटी 500 की मोस्ट इंफ्लुएंशियल बिजनेस लीडर्स की लिस्ट में शामिल किया गया है।

रानी मुखर्जी बोलीं- मेरे पति बोरिंग हैं : मैं आदित्य की जिंदगी में स्पार्क लेकर आती हूं

रानी मुखर्जी ने हाल ही में पति आदित्य चोपड़ा के साथ अपनी बॉन्डिंग और रिश्ते के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि आदित्य बोरिंग इंसान हैं, लेकिन वह उनकी जिंदगी में स्पार्क लेकर आती हैं। रानी ने माना कि वह लाइमलाइट से दूर अपनी लाइफ को प्राइवेट रखना ज्यादा पसंद करती थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि समय के साथ उनका और आदित्य चोपड़ा का रिश्ता कैसे और भी ज्यादा खूबसूरत होता गया। एक्ट्रेस ने अपनी सक्सेसफुल मैरिड लाइफ के बारे में खुलकर बात की।

एक इंटरव्यू में रानी ने कहा- 'मेरे लिए आदित्य और मेरा सबसे अच्छा समय वह होता है, जब हम साथ में कोई फिल्म देखने जाते हैं। हम हर शुक्रवार को मुंबई के यश राज फिल्म स्टूडियोज में फिल्म देखते हैं।'जाकर लाइन में खड़े होना, टिकट लेना और अपना पॉपकॉर्न लेना ये चीजें काफी मजेदार होती हैं। आजकल आपको पिज्जा भी मिलता है, मुझे साथ में खाना और फिल्म देखना मुझे अच्छा लगता है।'

रानी बोलीं- मैं सब्यसाची की पहली ऑफिशियल दुल्हन थी

रानी बोलीं- 'जब हम इंडिया से बाहर होते हैं, तब हम एक-दूसरे के साथ वक्त बिताते हैं। उनका हाथ पकड़ना, सच कहूं तो उनके साथ सब कुछ अच्छा लगता है। मैं और आदित्य दोनों ही इस रिलेशनशिप में एक-दूसरे की रिस्पेक्ट करते हैं।' उन्होंने कहा कि अगर वो कभी अपनी ऑटो बायोग्राफी लिखेंगी, तो वह उनमें अपनी शादी के किस्से जरूर शामिल करेंगी। शादी के बारे में जिक्र करते हुए रानी ने कहा- 'मैं ऑफिशियल तौर पर पहली दुल्हन थी, जिसने शादी पर सब्यसाची का आउटफिट पहना था। हो सकता है मैं जल्द ही अपनी शादी की तस्वीरें शेयर करूं।' बता दें कि रानी ने अभी तक अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की हैं। रानी ने बताया कि शादी के 9 साल बाद भी एक्ट्रेस अपनी मैरिड लाइफ में कैसे स्पार्क लेकर आती हैं। उन्होंने कहा- 'रिश्तों के बारे सबसे अच्छी बात यह होती है कि आपको अपने पार्टनर को हर दिन सरप्राइज करना पड़ता है। अपनी बातों से, अपनी हरकतों से या अपने बिहेवियर से। मैं आदि को हर रोज ऐसा ही शॉक देती हूं। वह हर दिन मेरा नया अंदाज देखते हैं। वो बहुत सरल हैं, लेकिन सरल होना बोरिंग होता है, इसलिए मुझे रिश्ते में स्पार्क रखना पसंद है।'

हमारा हर दिन किसी फिल्म जैसा होता हैः रानी

रानी ने आगे कहा- आदित्य मुझसे हमेशा कहते हैं कि तुम्हारे साथ रहना ऐसा है, जैसे मानों हर दिन कोई नया चैनल देख रहा हूं। जिसमें कभी कॉमेडी है, कभी ड्रामा है, कभी गुस्सा और नाराजगी तो कभी ढेर सारा प्यार। इसलिए हमारा हर दिन किसी फिल्म के जैसा होता है। मुझे यह बेहद पसंद है।' बता दें कि रानी और आदित्य ने 2014 में शादी की थी। 2015 में दोनों एक बेटी के पेरेंट्स बने, जिसका नाम आदिरा है।

वसीयतें अपने नाम लिखवा लेने से कुछ नहीं होता....

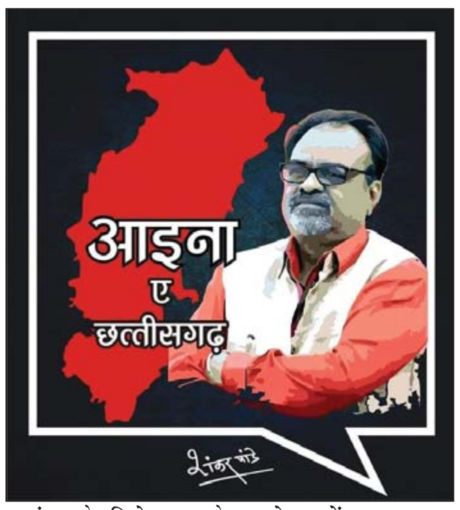

संसद के विशेष सत्र के आयोजन में सरकार एक देश एक चुनाव पर चर्चा संभव है। वैसे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में केंद्र सरकार ने एक कमेटी भी बना दी है हालांकि एक देश एक चुनाव पर संविधान में संशोधन जरुरी है वैसे संशोधन के बाद भी कई राज्य सरकारों का समर्थन भी जरुरी होगा? गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही विपक्ष की तरफ से ऐसे दावे किए गये हैं कि मोदी सरकार इस बार आम चुनाव समय से पहले करा सकती है। दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि केंद्र की मोदी सरकार जनवरी फरवरी में लोकसभा चुनाव करा सकती है। वहीं,अब पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बाद बिहार के सीएम नीतीश कुमार के हालिया बयान से इन चर्चाओं में दम नजर आ रहा है। ममता बनर्जी और नीतीश कुमार ने कहा है कि यह लोग लोकसभा चुनाव समय से पहले भी करवा सकते हैं।अभी यह बातें सत्ता और सियासत के गलियारों में आम नहीं हुई हैं,लेकिन सत्ता के उच्च स्तर पर कुछ खास लोगों ने इस तरह के संकेत देने शुरू कर दिये हैं कि सरकार और भाजपा के शीर्षस्थ स्तर पर इसे लेकर न सिर्फ मंथन चल रहा है,बल्कि यह आकलन भी हो रहा है कि लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनावों को साथ कराने में कितना सियासी फायदा या नुकसान है।वैसे संसद के विशेष सत्र में यूसीसी और महिला आरक्षण बिल लाने की भी चर्चा तेज है...!

पूर्व नौकरशाह और राजनीति में सक्रियता....

सियासत में सबसे सफल पूर्व नौकरशाह में अजीत जोगी का नाम सबसे ऊपर आता है। जोगी पहले आईपीएस और फिर आईएएस रहे। उन्होंने भी कलेक्टरी छोड़कर कर राजनीति में प्रवेश किया। कांग्रेस की राजनीति में जोगी बड़ा नाम बन गए थे। जोगी छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री रहे। राज्यसभा और लोकसभा सदस्य भी रहे हैं। छत्तीसगढ़ की सेवानिवृत्त आईएएस जिनेविवा किंडो ने अपनी राजनीति पारी की शुरुआत कर दी है। प्रमोटी आईएएस किंडो ने रायपुर में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में कांग्रेस प्रवेश किया। छत्तीसगढ़ की राजनीति में यह कोई पहला मौका नहीं है जब कोई पूर्व नौकरशाह राजनीति में प्रवेश किया है। इससे पहले करीब दर्जनभर अफसर सियासी पिच पर अपना भाग्य आजमा चुके हैं या आजमा रहे हैं। हालांकि चुनावी राजनीति में इनकी सफलता का ग्राफ बेहद कमजोर है। शिशुपाल सोरी जैसे चंद नाम हैं जो चुनाव जीते हैं। आज के दौर के आईएएस अफसरों में सबसे बड़ा नाम ओपी चौधरी का है। 2005 बैच के आईएएस रहे चौधरी ने 2018 के चुनाव के पहले नौकरी छोड़कर भाजपा के साथ सियासी पारी की शुरुआत की। पार्टी ने उन्हें कांग्रेस के सबसे मजबूत गढ़ खरसिया सीट से मैदान में उतारा। चौधरी वह चुनाव हार गए। पर इस बार भाजपा की घोषित सूची में खरसिया से उनका नाम शामिल नहीं है?

2018 के चुनाव में पूर्व आईएएस शिशुपाल सोरी ने कांग्रेस की टिकट पर भाग्य आजमाया था, आज वे विधायक हैं। सोरी और चौधरी के साथ ही अभी कई और पूर्व आईएएस और आईपीएस चुनावी रण में भाग्य आजमाने की तैयारी में हैं। इनमें एसीएस के पद से सेवानिवृत्त और अब कांग्रेस नेता सरजियस मिंज भी शामिल हैं। मिंज अभी राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष हैं। सेवानिवृत्ति के बाद राजनीति में आए पूर्व आईएएस आरपी त्यागी तो दलबदल भी कर चुके हैं। पहले वे कांग्रेस में थे अब भाजपा में पहुंच गए हैं। 2023 में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे पूर्व नौकरशाहों में गणेश शंकर मिश्रा और नीलकंठ टेकाम का नाम भी शामिल हैं। दोनों भाजपा से टिकट के दावेदार हैं। 2013 में कांग्रेस की टिकट पर गुंडरदेही विधानसभा से चुने गए आरके राय ने डीएसपी पद से नौकरी छोड़कर राजनीति में प्रवेश किया था। हालांकि 2018 में वे जनता कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े और हार गए। आहिवारा से विधायक रहे सांवलाराम डहरे वाणिज्यकर अधिकारी थे। इसी तरह पुलिस से सेवानिवृत्त हुए रामलाल चौहान भाजपा की टिकट पर सरायपाली से विधायक चुने गए थे। सेवानिवृत्त पुलिस अफसर श्यामलाल कंवर भी कांग्रेस की टिकट पर रामपुर सीट से विधायक चुने गए थे। 2018 के चुनाव में जकांछ ने सेवानिवृत्त आईएएस एमएस पैकरा और सेवानिवृत एसडीओ अर्जुन हिरवानी को प्रत्याशी बनाया था। इसी तरह रिटायर डीएसपी विभोर सिंह को कांग्रेस ने कोटा से टिकट दिया था।पूर्व नौकरशाहों के लिए कांग्रेस और भाजपा ही नहीं सर्व आदिवासी समाज भी एक विकल्प है। सेवानिवृत्त आईपीएस अकबर राम कोर्राम ने सर्व आदिवासी समाज की तरफ से भानुप्रतापपुर सीट पर हुए उपचुनाव में अपना भाग्य आजमाया था। कोर्राम तीसरे स्थान पर रहे। आईएएस बीपीएस नेताम भी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया दिवंगत आईपीएस रविंद्र भेंड़िया की पत्नी हैं। दिवंगत रविंद्र भी लोक सभा चुनाव लड़ने के इच्छुक थे पर उनके सेवा में रहते ही उनकी पत्नी ने चुनावी राजनीति में कदम रख दिया था।आईपीएस आर सी पटेल भी कांग्रेस में गये थे पर उन्हें टिकट नहीं मिली,आईपीएस भारत सिंह भी पिछली बार से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।वहीं एक डीआईजी भी भाजपा प्रवेश कर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं तो एक पूर्व आईएफएस बड़गईया भी भाजपा प्रवेश कर चुके हैं पर उन्होंने चुनाव लड़ने की अभी तक इच्छा जाहिर नहीं की है।

गैस सिलेंडर 200 रु सस्ता और चर्चा....

केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कटौती की है। मोदी सरकार ने सभी उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस के दामों में 200 रुपये की कटौती की है। वहीं उज्जवला योजना के लाभार्थियों के लिए 400 रुपये की कटौती की गई है। इससे 33 करोड़ परिवारों को फायदा होगा। बता दें कि कुछ ही महीने में पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। इनमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे महत्वपूर्ण राज्य भी शामिल हैं। दो राज्यों में मुख्यमंत्रियों ने सस्ते में गैस सिलेंडर देने की घोषणा कर दी थी। राजस्थान की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 500 रुपए में सिलेंडर देने की योजना शुरू की है। मध्य प्रदेश के भाजपायी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी 450 रुपए में सिलेंडर देने की घोषणा कर दी है। इसके बाद राज्य में जगह-जगह लोग गैस एजेंसी पर पहुंचने लगे, लेकिन उन्हें 450 रुपए में सिलेंडर नहीं मिला....। लोकसभा चुनाव में अभी एक साल से कम का समय बचा है और विपक्ष महंगाई को एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में मोदी सरकार का यह कदम आम जनता को राहत, निश्चित ही चुनाव में लाभ को लेकर जोड़ा जा रहा है।

जेल अस्पताल, स्कूल में ठहरी हैं दोनों मैडम.....

रायपुर सेन्ट्रल जेल में हाल-फिलहाल व्हीआई पी की आवक बढ़ी है... पहले आईएएस,प्रमुख सचिव बाबूलाल अग्रवाल,उसके बाद आईपीएस गुरविंदर पाल सिंह जेल में रहे अब तो उनकी नौकरी भी चली गई है। उनके बाद दो आईएएस समीर विश्नोई और रानू साहू सहित छ्ग प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सौम्या चौरसिया आदि भी जेल पहुंच गये है,ये सभी ईडी की जाँच के बाद जेल में दाखिल हुए हैं, वहीं कुछ अफसरों के भी जेल जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है? इधर जेल के महिला सेल के अस्पताल में सौम्या का डेरा है जाहिर है वहाँ किसी महिला कैदी की इंट्री प्रतिबंधित ही है तो कोरबा की पूर्व कलेक्टर रानू साहू को महिला जेल के ही स्कूल के एक भाग में पर्दा लगाकर ठहराया गया है। वहाँ के अफसरों और कैदियों को आश्चर्य होता है कि दोनों महिला अफसरों में बातचीत ही नहीं होती है...! वैसे दोनों एक ही कमरे में भी तो रह सकती थीं...? इन दोनों स्थानों पर कैदियों की बात तो दूर जेल का स्टाफ भी जब तक बुलावा नहीं आता नहीं जाता है क्योंकि करीब 8 जेल आरक्षक से लेकर अफसर तक दुस्साहस के कारण हटाये जा चुके हैं... इनके पास सभी सुख सुविधाएं उपलब्ध हैं ऐसी चर्चा है....?

और अब बस...

- देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू छ्ग के प्रवास पर आई और उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया को भी याद किया।
- महादेव ऐप से सट्टा मामले में ईडी ने एक एडीजी सहित कुछ आईजी, कुछ एसपी, दो एडीशनल एसपी सहित कुल 72 लोगों को नोटिस भेजा है?
- क्या कुछ जिलों में नये एसपी की पदस्थापना होगी?
- पूर्व डीजीपी अवस्थी के बाद डीजी जेल संजय पिल्ले को भी संविदा नियुक्ति दे दी है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

मुख्य आरोपी कौन? भाजपा नेता का बेटा: बैज

रायपुर। मंदिर हसौद में दो बहनों के साथ गैंगरेप की घटना पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने एक पत्रकारवार्ता की है। बैज ने कहा इस मामले में सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है, इस दुख के समय में पीड़ित परिवार के साथ हमारी सरकार खड़ी है। बैज ने आगे बताया कि निश्चित रूप से कल रात की दुखद घटना है, हमारी सरकार यह भी चाहती है कि इस तरह की घटना ना हो। दो सगी बहनों के ऊपर जिस तरीके से यह घटना हुई है, सरकार ने उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की है। उस परिवार के साथ हमारी सरकार इस दुख की घड़ी में खड़ी है।बैज ने आगे तीखा हमला करते हुए कहा आरोपी कौन है ? आदतन अपराधी है, जो पिछले 17 तारीख को ही जमानत पर रिहा हुआ है, जिस पर पहले ही पांच अन्य मामलों में अपराध दर्ज है। बेल पर बाहर आने के बाद आरोपी ने दोबारा एक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।वह एक भारतीय जनता पार्टी मंदिर हसौद भाजपा मंडल के उपाध्यक्ष के बेटे हैं, तो इस तरह की घटना नहीं होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ सरकार सजग है, लेकिन सजगता के साथ 3 घंटे के अंदर अंदर सरकार की तरफ से कार्यवाही की गई है। और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सारनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा में ठहराव का विस्तार

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले दो रेलवे स्टेशनों में दो गाडियो का ठहराव की सुविधा 1 सितम्बर तक प्रदान की गयी थी, जिसका विस्तार 5 मार्च तक किया गया है। गाड़ी संख्या 15160/15159 दुर्ग-छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का 2 मिनट का प्रायोगिक ठहराव जबलपुर मंडल के उंचेहरा स्टेशन में तथा गाड़ी संख्या 19343 /19344 इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का 2 मिनट का प्रायोगिक ठहराव भोपाल मंडल के संत हिरदाराम नगर स्टेशन में दिया गया था। 28 फरवरी तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15160 दुर्ग-छपरा सरनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी गयी है तथा 28 फरवरी, को छपरा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15159 छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस का उंचेहरा रेलवे स्टेशन में ठहराव की सुविधा दी गयी है। 5 मार्च को इंदौर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 19343 इंदौर क्कसिवनी एक्सप्रेस का संत हिरदाराम नगर में ठहराव की सुविधा दी गयी है तथा 5 मार्च को सिवनी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 19344 इंदौर-सिवनी-इंदौर एक्सप्रेस का संत हिरदाराम नगर में ठहराव की सुविधा दी गयी है।

सपनों को पूरा करने में अपना योगदान दे रहे युवा मितान

रायपुर। राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों के महासम्मेलन के अवसर पर प्रदेश भर के युवा मितान राजधानी में जुटेंगे। इस अवसर पर सांसद श्री राहुल गांधी क्लब के सदस्यों को संबोधित करेंगे। युवाओं में इसे लेकर जबर्दस्त उत्साह है। 3 फरवरी 2022 को शुभारंभ के बाद से लगातार किये रचनात्मक कार्यों से क्लब के सदस्यों ने प्रदेश में नई ऊर्जा का संचार किया है। उत्साही युवा शासन की योजनाओं में भागीदारी करने लोगों से अपील कर रहे हैं। उन्हें योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। वे लोगों की मदद कर रहे हैं। चाहे राशन कार्ड बनवाना हों, जाति प्रमाण पत्र बनवाना हो या आय प्रमाण पत्र, लोग सीधे क्लब के सदस्यों से संपर्क कर रहे हैं और उनका काम सहजता से हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने युवा ऊर्जा को छत्तीसगढ़ निर्माण में लगाने यह महती योजना आरंभ की है।अब तक प्रदेश में 13 हजार 242 राजीव युवा मितान क्लब गठित किये जा चुके हैं। अब तक 3 लाख 22 हजार 770 युवा इसमें सदस्य के रूप में शामिल हो चुके हैं। इसका उद्देश्य रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इसके लिए हर तिमाही शासन द्वारा ऐसे क्लबों को खेल, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन के लिए 25 हजार रुपए दिये जाते हैं। जैसे ही कम से कम 15 हजार रुपए व्यय का उपयोगिता प्रमाणपत्र प्राप्त हो जाता है। वैसे ही अगली तिमाही के लिए राशि जारी कर दी जाती है। अब तक इन क्लबों के लिए 132 करोड़ रुपए आबंटित किये जा चुके हैं।

जहरीली शराब से मौत के लिये भूपेश सरकार दोषी : चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जहरीली शराब पीने से 2 लोगों की मौत के लिये प्रदेश की कांग्रेस सरकार को कसूरवार ठहराते हुए कहा कि जहरीली व विषयुक्त शराब पीने से जांजगीर-चाँपा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अमोदा में 2 लोगों की मौत के लिये हजारों करोड़ रुपए का शराब घोटाला करने वाली भूपेश सरकार जिम्मेदार है।

प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि विगत 3 महीने पहले इसी क्षेत्र के ग्राम रोगदा में 3 परिवार जहरीली शराब से पूरी तरह उजड़ गये थे। अभी इन परिवारों के आँसू सूख भी नहीं पाये हैं कि अब ग्राम अमोदा की यह घटना सामने आयी है। दोनों मृतक किरण कुमार सूर्यवंशी और ललिता सूर्यवंशी अनुसूचित जाति से हैं। दोनों जहरीली शराब के सेवन से असमय काल के गाल में समा गये। श्री चंदेल ने कहा कि हम लोग एक नहीं अनेक बार शासन व प्रशासन को अवैध शराब के कारोबार को रोकने के लिये कड़ी कार्रवाई करने के संबंध में ध्यान आकृष्ट कर चुके हैं, सड़क से लेकर सदन तक इस विषय को लेकर आंदोलन भी हुए, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि प्रदेश की भूपेश सरकार के संरक्षण में अवैध व जहरीली शराब का कारोबार खुलेआम गांव-गांव गली-गली में चल रहा है। शासन व प्रशासन के संरक्षण में इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाया जा रहा है।विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि यह मौत का तांडव इस कांग्रेस सरकार की अवैध कमाई की भूख की परिणति है। छत्तीसगढ़ में शराब से मौत का

राजीव मितान क्लब के लिए पैसा कहाँ से आ रहा : बीजेपी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि देश के इतिहास में संभवत: छत्तीसगढ़ इकलौता प्रदेश होगा, जहाँ की प्रदेश सरकार अपनी ओछी राजनीतिक सोच के चलते केवल इसलिए केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को रोक रही है क्योंकि उन योजनाओं में प्रधानमंत्री शब्द लिखा है। श्री शर्मा ने 2 सितंबर को राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे के परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर तीखा हमला बोला। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्रामीण क्षेत्रों के 16 लाख और शहरी क्षेत्र के 4 लाख आवास यह कहकर रोक दिया कि उसमें प्रधानमंत्री शब्द जुड़ा है, इसलिए इसका पूरा पैसा प्रधानमंत्री को देना चाहिए। राजनीतिक ओछेपन की यह पराकाष्ठा है। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री बघेल से सवाल किया है कि राजीव मितान क्लब, जिसके साथ व्यक्ति विशेष का नाम %राजीव% जुड़ा हुआ है, के लिए जितने पैसे मुख्यमंत्री ने दिए हैं, और जिस कार्यक्रम के लिए राहुल गांधी छत्तीसगढ़ आ रहे हैं, उसका पैसा क्या गांधी परिवार से आ रहा है और क्या राहुल गांधी पैसा लेकर आ रहे हैं? श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल को प्रदेश को यह भी बताना चाहिए कि अगर राजीव मितान क्लब के लिए पैसा गांधी परिवार से नहीं आ रहा है।

राहुल गांधी के भेंट मुलाकात कार्यक्रम पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव के 10 सवाल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के लिए रायपुर दौरे के मद्देनजर 10 सवाल करके उनके जवाब मांगे हैं। श्री साव ने कांग्रेस द्वारा पिछले विधानसभा चुनाव में किए गए वादों, प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा किए जा रहे दावों और जमीनी हकीकत बताते हुए जो सवाल उठाए हैं, इस प्रकार हैं :-

कहाँ गए बेरोजगार युवाओं के भत्ते के 14,750 करोड़ रुपए?: 2018 विधानसभा चुनाव के पूर्व राजनांदगांव में राहुल गांधी की मौजूदगी में घोषणा पत्र समिति के तत्कालीन अध्यक्ष (मौजूदा उपमुख्यमंत्री) टी.एस. सिंहदेव ने युवाओं के बारे में घोषणा करते हुए यह बताया था कि प्रतिवर्ष युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, जिसे स्टाइपेंड कहा जाएगा। इसका सालाना बजट प्रतिवर्ष 3,000 करोड रुपए होगा यानी कि कुल 5 सालों में 15,000 करोड़ रुपए युवाओं को भुगतान किया जाना था लेकिन युवाओं के लिए केवल 250 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है यानी कि युवाओं के हक के 14,750 करोड़ रुपए यह सरकार खा गई।

क्यों नहीं मिला प्रदेश के युवाओं को रोजगार?: प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगवाए, जिसमें लिखवाया गया कि 5 लाख युवाओं को नौकरी दी गई परंतु विधानसभा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जवाब दिया कि उन्होंने केवल लगभग 20,000 नौकरियां ही दी हैं।

क्यों नहीं बन पाए 200 फूड प्रोसेसिंग यूनिट?: पिछले विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान आपने अपनी सभाओं में 200 फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन यह वादा भी झूठा साबित हुआ। प्रदेश सरकार फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने में असफल रही।राहुल गांधी आपने साफ कहा था कि किसानों के खेत जाकर उनकी फसल को वहां से उठाया जाएगा और फूड प्रोसेसिंग यूनिट में किसानों के बेटों को रोजगार मिलेगा ,किसान परिवारों के साथ सरकार ने छल क्यों किया?

निवेश को आकर्षित क्यों नहीं कर पाई प्रदेश सरकार?: प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश में किसी प्रकार का कोई निवेश आकर्षित नहीं कर पाई जिससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर नहीं बने।

पीएससी घोटाला करके युवाओं के साथ छल क्यों?: पीएससी को लेकर छत्तीसगढ़ के इतिहास में प्रदेश के युवा इतने निराश कभी दिखाई नहीं दिए। अपने मां-बाप की पूंजी को दाँव पर लगाकर जिन बच्चों ने दिन-रात पढ़ाई करके पीएससी की परीक्षाएँ दीं, उनकी जगह कांग्रेस नेताओं और बड़े-बड़े नौकरशाहों के रिश्तेदारों का चयन हुआ। यह युवाओं के लिए निराशा का कारण है। प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाएं भी विवादों के घेरे में हैं।

18 हजार युवाओं समेत 28 हजार लोगों की आत्महत्या के बारे में मुख्यमंत्री से जवाब तलब करेंगे?: विगत पौने पांच वर्षों में 28,000 व्यक्तियों ने आत्महत्या की हैं, जिसमें 18 हजार युवा हैं। नेशनल क्राइम रिपोर्ट ब्यूरो के अनुसार आत्महत्या की औसत दर 43 प्रतिशत है। छत्तीसगढ़ राज्य का तीसरा स्थान है। इसकी मुख्य वजहों में आर्थिक तंगी, बेरोजगारी है। क्या राहुल गांधी अपने मुख्यमंत्री से इस संबंध में जवाब तलब करेंगे?

प्रदेश के युवा नशे और अवसाद की गिरफ्त में क्यों आए?: माफियाओं से प्रदेश के युवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव दिखाई दे रहा है। कोल माफिया, डीजल माफिया, भू माफिया, रेत माफिया, खाद माफिया, सट्टा माफिया, गांजा माफिया आदि के चलते युवाओं में मानसिक रूप से आपराधिक सोच उत्पन्न हो रही है, इसकी जिम्मेदार क्या कांग्रेस की प्रदेश सरकार नहीं है? इसके चलते वयस्कों में मानसिक अवसाद की रिपोर्ट के आँकड़े चिंताजनक हैं। प्रदेश में 22 प्रतिशत (अर्थात 43 लाख) या हर पांचवा वयस्क व्यक्ति मानसिक अवसादग्रस्त है।

भाजपा का काला चिट्ठा कांग्रेस ने किया जारी

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य कांग्रेस सरकार के खिलाफ शनिवार को आरोप पत्र जारी करने के पहले कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने एक प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा के खिलाफ काला चिट्ठा जारी किया है।

12 पेज का चिट्ठा आरोप का पुलिंदा

कांग्रेस पार्टी ने भाजपा के खिलाफ जो चिट्ठा जारी किया है वह 12 पेज का है। इस चिट्ठे को काला बनाने के लिए काले रंग का इस्तेमाल सबसे अधिक किया गया है। पहले पेज पर लिखा है- 9 साल की मोदी सरकार की वादा खिलाफी। खास बात ये है कि इस चिट्ठे में केंद्र के साथ साथ राज्य की पूर्ववर्ती राज्य सरकार को भी निशाना बनाया गया है।

इसमें लिखा गया है क्क 15 साल रमन राज में छत्तीसगढ़ का शोषण, भ्रष्टाचार,लूट,वादा खिलाफी। भाजपा का चरित्र आदिवासी,अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग, गरीब विरोधी। नरेंद्र मोदी सरकार का काला चिट्ठा,मोदी जवाब दे- इस पर 85 पॉइंट लिखे गए हैं। मोदी के कुशासन एवं जन विरोधी फैसलों का उल्लेख 26 पॉइंट में किया गया है।

रमन सरकार के लिए ये लिखा

चिट्ठा के एक पेज में रमन सरकार के संबंध में लिखा गया है- 15 सालों तक छत्तीसगढ़ का शोषण करने वाली रमन सरकार ने राज्य में 34 घोटाले किए,भाजपा इन घोटालों का जवाब दे। इसी में एक बिंदु में लिखा गया है-रमन और उनके मंत्री मंडलीय सहयोगियों के घोटालों की सूची-इसमें 34 बिंदु शामिल किए गए हैं। सभी में घोटालों के आरोप हैं।

रमन राज पर निशाना

चिट्ठी में पूर्ववर्ती रमन सरकार के संबंध में लिखा है- रमन राज में छत्तीसगढ़ का शोषण हुआ- यह 54 पाइंट पर आधारित है। भाजपा आदिवासी विरोधी इसमें 8 पॉइंट शामिल किए गए हैं। भाजपा किसान विरोधी- इसमें 4 पाइंट है। सबसे अंत में एक कार्टून है जिसमें मोदी अमित शाह का कार्टून बनाया गया और लिखा है लोकतंत्र था,मार दिया।

वन नेशन, वन इलेक्शन को सिंहदेव का सर्मथन,कमलनाथ का विरोध

रायपुर। वन नेशन-वन इलेक्शन पर नेता और पार्टी में एक राय नहीं बन पा रही है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए वन नेशन, वन इलेक्शन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत स्तर मैं एक देश एक चुनाव का स्वागत करता हूं। यह नया नहीं, पुराना ही आइडिया है।कई दिनों से ये मामला देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने बताया कि इसके दो दृष्टिकोण हो सकते हैं। एक तात्कालिक और दूसरा दूरगामी राजनीतिक प्रभाव देखा जा सकता है।

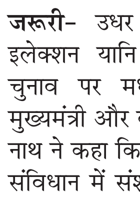

कमलनाथ ने कहा राज्यों की मंजूरी भी जरूरी- उधर वन नेशन वन इलेक्शन यानि एक देश, एक चुनाव पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमल नाथ ने कहा कि इसके लिए सिर्फ संविधान में संशोधन की ही नहीं बल्कि राज्यों की मंजूरी की भी जरूरत है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ के अनुसार हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे भाजपा शासित राज्यों में वे अपनी संबंधित विधानसभाओं को भंग करने के लिए कैबिनेट में एक प्रस्ताव तय कर सकते हैं और पारित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप किसी राज्य विधानसभा की अवधि कम नहीं कर सकते।

पॉवर कंपनी से ईडी चावड़ा व सीई चेलकर की विदाई, पीएस रेड्डी भी हुये सेवानिवृत्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से कार्यपालक निदेशक श्री डी.के.चावड़ा एवं जनरेशन कंपनी से सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता (टी.एण्ड क्यू.ए.) श्री शिवप्रसाद चेलकर को कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती उज्जवला बघेल एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी श्री मनोज खरे ने उन्हें प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। प्रबंध निदेशकों ने श्री चावड़ा एवं श्री चेलकर की उत्कृष्ट कार्यशैली और सहज व्यवहार की प्रशंसा की।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त ईडी श्री चावड़ा एवं सीई श्री चेलकर ने अपने कार्य अनुभव बताते हुए अपनी सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया तथा सेवायात्रा के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार अन्य कार्यक्रमों में एमडी में निज सहायक वाई.आर.रेड्डी को भी भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक श्री गोविंद पटेल एवं सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी द्वारा किया गया।

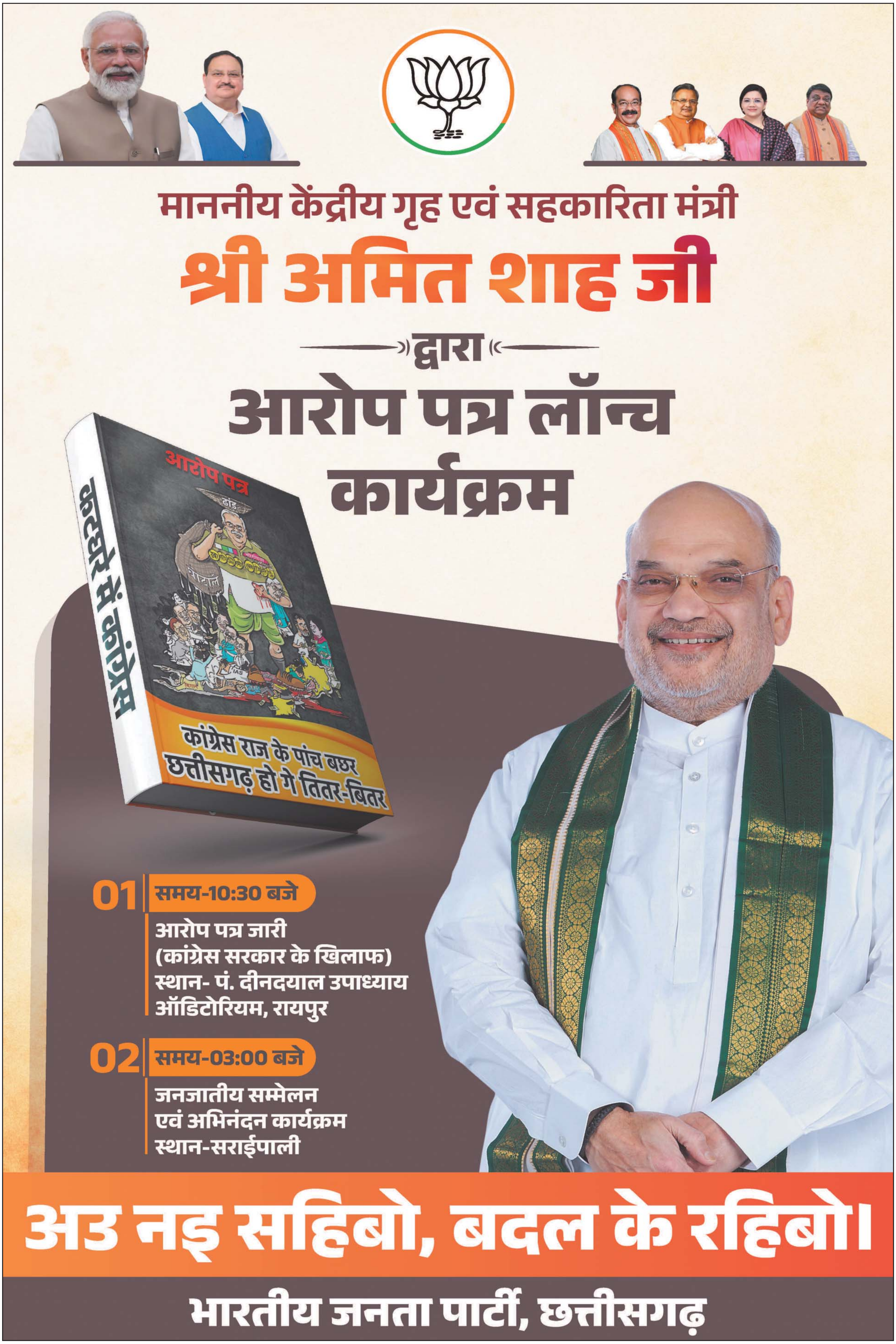

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.